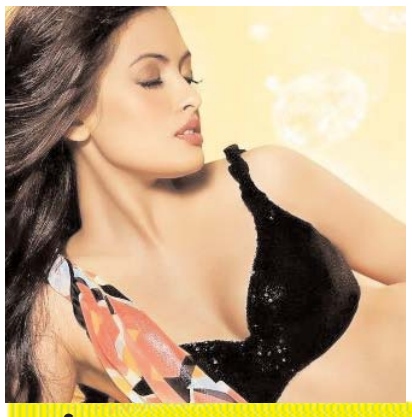

दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 98 | ग्वालियर, शुक्रवार 28 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

एक नजर...

नारद केसः हकीम, मुखर्जी और मदन मित्रा रहेंगे नजरबंद, 28 मई तक सुनवाई स्थगित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नारदा स्टिंग केस में मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ गुरुवार को सुनवाई हुई. कलकत्ता उच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने नारद मामले की सुनवाई 28 मई तक के लिए स्थगित कर दी. कोलकाता के पूर्व मेयर सोवन चटर्जी के साथ टीएमसी नेता फिरहाद हकीम, सुब्रत मुखर्जी और मदन मित्रा नजरबंद रहेंगे. नारदा स्टिंग केस में पश्चिम बंगाल के चार राजनेताओं में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के दो मौजूदा मंत्री फिरहाद हकीम और सुब्रत मुखर्जी और टीएमसी विधायक मदन मित्रा और पूर्व विधायक सोवन चटर्जी शामिल हैं.

छोड़कर गया तबाही के निशान उबरने में लगेंगे 2 महीने

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान यास ने भारी तबाही मचाई है. यास के तांडव से सैकड़ों तटीय गांवों में पानी भर गया और लाखों घर उजड़ गए. इससे पश्चिम बंगाल में तीन और ओडिशा में एक व्यक्ति की मौत हो गई. सिर्फ बंगाल में ही यास से एक करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं. लगातार बारिश से ओडिशा-बंगाल के कई जिले जलमग्न हैं. नदियों का जलस्तर बढ़ गया और सैकड़ों तटबंध टूट गए. राहत एवं बचाव दल लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में जुटे हैं. तूफान के बाद राहत कार्य के लिए सेना, नौसेना और एनडीआरएफ की टीमें मिलकर लोगों की मदद करने में लगी हैं. गांवों से पानी निकाला जा रहा है. सभी रास्तों को भी खोलने का काम तेजी के साथ किया जा रहा है. चक्रवाती तूफान यास से हुए नुकसान का जायजा लेने न्यूज नेशन के संवाददाता चांदीपुर समुद्र तट का सबसे निकटवर्ती गांव बलरामगढ़ी पहुंचे और वहां के मछुआरों से बात की. जहां मछुआरों ने बताया कि यास चक्रवात तो गुजर गया है, लेकिन इस तूफान से हुए नुकसान से उभरने में उन्हें काफी वक्त लगेगा. मछुआरों के अनुसार तूफान की वजह से उनकी नावें पूरी तरह से तबाह हो चुकी हैं. जिनको सही कराने में कम से कम 2-3 महीने का समय लग जाएगा. मछुआरे के हिसाब से यास तूफान की वजह से उनका रोजगार पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है. ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने प्रभावित परिवारों के लिए सात दिन की राहत की घोषणा की. पटनायक ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि चक्रवात से प्रभावित सभी प्रमुख सड़कों की मरम्मत की जाए और अगले 24 घंटों के भीतर प्रभावित जिलों में 80 प्रतिशत बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाए.

कोरोना से जान गंवाने वाले पत्रकारों के 67 परिवारों को केंद्र से मिलेंगे 5-5 लाख रुपये

दिल्ली। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने पत्रकार कल्याण योजना के तहत कोविड 19 से जान गंवाने वाले पत्रकारों के परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है. इसके तहत पत्रकारों के कुल 67 परिवारों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद केंद्र सरकार ने मंजूर की है. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सचिव अमित खरे की अध्यक्षता में गुरुवार को पत्रकार कल्याण योजना समिति के एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. जिसके तहत कोविड-19 के कारण अपनी जान गंवाने वाले पत्रकारों के कुल 67 परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने को मंजूरी दी गई है.

समिति ने कोविड के कारण अपनी जान गंवाने वाले पत्रकारों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की. पत्र सूचना कार्यालय ने अत्यंत सक्रियतापूर्वक ऐसे कई पत्रकारों के परिवारों से संपर्क किया, जिन्होंने कोविड-19 के कारण अपनी जान गंवा दी है और इसके साथ ही इस योजना एवं दावा संबंधी आवेदन दाखिल करने के बारे में इन परिवारों का मार्गदर्शन भी किया. समिति ने हर सप्ताह जेडब्ल्यूएस की बैठकें आयोजित करने का भी निर्णय लिया, ताकि जेडब्ल्यूएस के तहत वित्तीय सहायता वाले आवेदनों को त्वरित मंजूरी दी जा सके. समिति ने गुरुवार को उन पत्रकारों के 11 परिवारों के आवेदनों पर भी विचार किया जिनका निधन कोविड-19 के अलावा अन्य कारणों से हुआ था. जेडब्ल्यूएस की बैठक में जयदीप भटनागर, प्रधान महानिदेशक, पीआईबी, विक्रम सहाय, संयुक्त सचिव (आई एंड बी) सहित अन्य सदस्यों ने भी भाग लिया. केंद्र सरकार ने गुरुवार को घोषणा की कि देश में बच्चों पर कोविड के टीके का ट्रायल जल्द ही शुरू होगा. नीति आयोग में सदस्य (स्वास्थ्य) और कोविड (एनईजीवीएसी) के लिए वैक्सीन प्रबंधन पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष डॉ. विनोद पॉल ने भारत के कोविड टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर फैले कई तरह के मिथकों को खारिज करते हुए यह बात कही. सरकार का कहना है कि इस बारे में कई मिथक फैलाए जा रहे हैं. ये मिथक गलत बयानों, आधे सच और खुलेआम बोले जा रहे झूठ के कारण फैल रहे हैं. डॉ. विनोद पॉल ने भारत के कोविड टीकाकरण कार्यक्रम पर कई मिथकों को दूर करते हुए जानकारी दी है. इस तरह के एक मिथक को स्पष्ट करते हुए कि केंद्र बच्चों के टीकाकरण के लिए कोई कदम नहीं उठा रहा है, पॉल ने कहा कि अभी तक दुनिया का कोई भी देश बच्चों को वैक्सीन नहीं दे रहा है. साथ ही, डब्ल्यूएचओ ने बच्चों का टीकाकरण करने की कोई सिफारिश नहीं की है.

स्पूतनिक वी का तीसरा टीका जून से होगा: शोभना कामिनेनी

नई दिल्ली। स्पूतनिक वी का तीसरा टीका जून के दूसरे सप्ताह से उपलब्ध होगा. अपोलो अस्पताल की कार्यकारी उपाध्यक्ष शोभना कामिनेनी ने कहा कि यह टीका अपोलो अस्पताल के माध्यम से उपलब्ध होगा. बता दें कि 26 मई को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने बताया कि रूसी वैक्सीन के मैन्युफैक्चरर्स ने टीकों की सप्लाई को लेकर सहमति जताई थी. हालांकि अभी टीकों की सप्लाई की मात्रा को लेकर फैसला नहीं हो सका है. इससे पहले मॉडर्ना और फाइजर जैसी विदेशी वैक्सीन कंपनियों ने सीधे राज्यों को सप्लाई करने से इनकार कर दिया था. दिल्ली के अलावा पंजाब को भी दोनों कंपनियों ने वैक्सीन की सप्लाई से इनकार कर दिया था. सीएम केजरीवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि स्पूतनिक-वी वैक्सीन के निर्माताओं से बात चल रही है. वे हमें वैक्सीन देने के लिए तैयार हैं, लेकिन अभी कितनी मात्रा में

वैक्सीन मिल पाएगी, इसे लेकर बात नहीं हो सकी है. केजरीवाल ने कहा कि हमारे अधिकारियों और स्पूतनिक के निर्माताओं के बीच मंगलवार को भी मीटिंग हुई थी. वहीं, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉक्टर वीके पॉल ने कहा है कि हमारा प्रोटोकॉल स्पष्ट है कि दिए गए दोनों डोज एक ही वैक्सीन की होनी चाहिए. अगर किसी को अलग-अलग वैक्सीन दी भी गई है तो यह चिंता का विषय नहीं होना चाहिए. यह सुरक्षित है. डॉक्टर वीके पॉल ने आज गुरुवार को आयोजित पीसी में कहा कि यह आश्वस्त करने वाला है कि कोरोना की दूसरी लहर में गिरावट आई है, और यदि समय आने पर प्रतिबंध व्यवस्थित रूप से खोले जाते हैं तो यह आगे भी कायम रहेगा. उन्होंने कहा कि दूसरी लहर भी अब घट रही है. इस बीच वैक्सीनेशन की दर बढ़ रही है. इसे और तेज करना होगा तथा जल्दी ही रफ्तार पकड़ेगी.

राजस्थान में जल्द होगा मंत्रिमंडल विस्तार : कांग्रेस प्रमुख

जयपुर। प्रदेश पीसीसी प्रमुख और शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राजस्थान में बहुप्रतीक्षित राजनीतिक नियुक्तियां और कैबिनेट विस्तार जल्द ही होगा और पार्टी में पसीने और मेहनत से सेवा करने वाले सभी लोगों को बिना किसी पूर्वाग्रह के नियुक्त किया जाएगा. डोटासरा ने कांग्रेस में किसी भी गुट या खेमे की मौजूदगी से भी इनकार किया और कहा कि पार्टी की सेवा करने वाले सभी उम्मीदवारों को जल्द ही नियुक्त किया जाएगा. शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने आईएएनएस को बताया कि राजनीतिक नियुक्तियों में देरी का एकमात्र कारण कोविड की तीव्र दूसरी लहर थी और अब जब यह कह होता दिख रहा है, तो इसमें देरी करने का कोई मतलब नहीं होगा. यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि हाल ही में यहां कांग्रेस के गुटों में संघर्ष उस समय उजागर हो गया था, जब कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक हेमाराम चौधरी ने इस्तीफा दे दिया और धरने पर बैठ गए. उन्होंने दावा किया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में कोई काम नहीं हो रहा है. चौधरी सचिन पायलट खेमे से जाने जाते हैं. बाद में पायलट ने कहा कि उनका इस्तीफा कांग्रेस के लिए चिंता का विषय है. इसके तुरंत बाद, पायलट खेमे के विधायक वेदप्रकाश सोलंकी ने भी चौधरी के पक्ष में बात की और कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में भी काम प्रभावित हो रहा है और राज्य में शक्तियों के विकेंद्रीकरण की मांग की. हालांकि, डोटासरा ने चौधरी के इस्तीफे को पारिवारिक मामला होने का दावा किया और कहा कि इसे सुलझा लिया जाएगा और इस संदर्भ में कोई चिंता नहीं होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि मैंने चौधरी से बात की है और उनकी चिंताओं को दूर करने की कोशिश की है. उन्होंने ऐसे किसी भी गुट की उपस्थिति से इनकार करते हुए कहा और कहा कि राज्य में एक कांग्रेस कैडर है और जिसने भी कड़ी मेहनत की है उसे उनका बकाया मिलेगा. राजस्थान में लंबे समय से राजनीतिक नियुक्तियां लंबित हैं. इससे पहले राजस्थान के प्रभारी अजय माकन ने कहा कि ये नियुक्तियां दिसंबर के अंत तक की जाएंगी और फिर बजट सत्र के मद्देनजर इन्हें फिर से स्थगित कर दिया गया. तभी से नेता और पार्टी कार्यकर्ता इनाम पाने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं. राजस्थान में जब से पायलट कैडरों ने गहलोत नेतृत्व के खिलाफ बगावत की है, तब से सभी जिलों और प्रखंडों की कार्य समितियां भंग कर दी गई हैं. गहलोत और पायलट खेमे के बीच जारी खींचतान के चलते अभी कोई जिलाध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष या कार्यकारिणी समिति नहीं है.

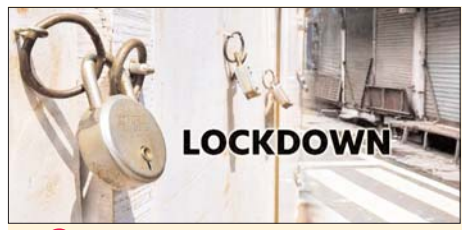

पश्चिम बंगाल में 15 जून तक बढ़ा लॉकडाउन

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी का संकट लगातार जारी है. केंद्र से लेकर राज्य सरकार लोगों को राहत देने के लिए अपने-अपने स्तर पर हर संभव कदम उठा रही है. पश्चिम बंगाल में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सीएम ममता बनर्जी ने गुरुवार को बड़ा फैसला किया है. बंगाल में अब 15 जून तक के लिए लॉकडाउन बढ़ा दिया गया है. इस लॉकडाउन के दौरान कुछ आवश्यक चीजों की ही छूट रहेगी. स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में कहा कि पिछले 22 दिनों से लगातार करोना के नए मामलों में कमी आ रही है और मौजूदा समय में 2,11,298 तक पहुंच गए हैं. उन्होंने कहा कि 17 मई के बाद लगातार तीन लाख से कम मामले आ रहे हैं. उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ 359 जिलों में 100 केस प्रतिदिन से ज्यादा आ रहे हैं, जबकि कुछ दिनों पहले इनकी संख्या 571 थी. लव अग्रवाल ने कहा कि एक्टिव केस में भी लगातार कमी आ रही है और फिलहाल 24.19 लाख रह गए हैं. देश के 24 राज्यों में एक्टिव केसों में कमी नजर आ रही है. लेकिन पूर्वोत्तर राज्य, तमिलनाडु, उड़ीसा, जम्मू कश्मीर और लद्दाख में अभी भी मामले बढ़ रहे हैं. उन्होंने कहा कि रिकवरी रेट जो 3 मई को 81त था बढ़कर के 90त हो गया है. उन्होंने कहा कि 15 सप्ताह में कोरोना टेस्ट 3 गुने से ज्यादा बढ़ाए गए हैं, जो पहले 6 लाख 88 हजार थे अब उन्हें बढ़ाकर 21 लाख 33 हजार कर दिया गया है. वीकली पॉजिटिविटी रेट 21त से घटकर अब 10.45त हो गया है. वैक्सीन को लेकर उन्होंने कहा कि 1.3 करोड़ वैक्सीन की डोज 18 से 44 साल के बीच के लोगों को दी गई है. उन्होंने कहा कि विदेशी सहयोग और कच्चे माल से हमारी कोशिश है कि भारत में ही वैक्सीन इनके प्रोडक्शन में वृद्धि की जा सकती है. आने वाले कुछ समय में हमारी प्रोडक्शन 10 करोड़ प्रति महीने हो सकती है.

26 जनवरी को लाल किले पर कब्जा करना चाहते थे आंदोलनकारी, रची गई थी साजिश

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर लाल किले में आंदोलनरत किसानों का ट्रैक्टर रैली की आड़ में हंगामा पहले से ही नियोजित था. इसके लिए न सिर्फ बकायदा प्लानिंग की गई थी, बल्कि ट्रैक्टर वगैरह भी पहले से ही खरीद कर मंगा लिए गए थे. किसानों के एक धड़े का मकसद लाल किले पर कब्जा कर केंद्र की मोदी सरकार को बदनाम करने का था. इस तरह के आरोप दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में हैं. यह चार्जशीट दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कुछ दिन पहले दिल्ली की तीसहजारी कोर्ट में दाखिल की थी. इसमें कहा गया है कि किसानों की ट्रैक्टर रैली का

लाल किले पहुंचना अनायास नहीं था, बल्कि पहले से पूर्व नियोजित था.

नवंबर-दिसंबर में रची गई साजिश-

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की ओर से दाखिल चार्जशीट में कहा गया है कि किसानों की ट्रैक्टर रैली की आड़ में लाल किले पर कब्जे की साजिश बीते साल नवंबर-दिसंबर में ही रच ली गई थी. इसके लिए बड़ी संख्या में हरियाणा-पंजाब से ट्रैक्टर भी मंगवा लिए गए थे. पूर्वनियोजित योजना के तहत किसान बड़ी संख्या में लाल किले पहुंच गए और घंटों वहां अराजकता मचाते रहे. किसान लाल किले पर कब्जा कर उसे आंदोलन का नया केंद्र बनाने वाले थे.

तूफान यास : पीएम नरेंद्र मोदी कल ओडिशा और पश्चिम बंगाल का करेंगे हवाई सर्वेक्षण

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान यास कमजोर होकर डीप डिप्रेशन में बदल गया है और अगले 12 घंटों के दौरान इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और धीरे-धीरे कमजोर होने की संभावना है. मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि अगले 12 घंटों के दौरान चक्रवात के उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और धीरे-धीरे कमजोर पड़ने की संभावना है. बुधवार सुबह करीब नौ बजे तूफान ने लैंडफॉल की प्रक्रिया शुरू की थी. पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को तूफान प्रभावित राज्यों पश्चिम बंगाल और ओडिशा का दौरा करेंगे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भुवनेश्वर में उतरेंगे, जहां वह समीक्षा बैठक करेंगे. फिर वह बालासोर, भद्रक और पुरबा मेदिनीपुर के प्रभावित इलाकों में हवाई सर्वेक्षण के लिए जाएंगे. इसके बाद पीएम मोदी पश्चिम बंगाल में समीक्षा बैठक में हिस्सा लेंगे. पश्चिम बंगाल में, अगले 12 घंटों के दौरान मेदिनीपुर, झाग्राम, बांकुरा में छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है. अगले 24 घंटों के दौरान झारखंड में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा, भारी से बहुत भारी वर्षा और छिटपुट स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है.

भारत में बच्चों पर जल्द शुरू होगा कोविड वैक्सीन ट्रायल : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को घोषणा की कि देश में बच्चों पर कोविड के टीके का ट्रायल जल्द ही शुरू होगा. नीति आयोग में सदस्य (स्वास्थ्य) और कोविड (एनईजीवीएसी) के लिए वैक्सीन प्रबंधन पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष डॉ. विनोद पॉल ने भारत के कोविड टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर फैले कई तरह के मिथकों को खारिज करते हुए यह बात कही. सरकार का कहना है कि इस बारे में कई मिथक फैलाए जा रहे हैं. ये मिथक गलत बयानों, आधे सच और खुलेआम बोले जा रहे झूठ के कारण फैल रहे हैं. डॉ. विनोद पॉल ने भारत के कोविड टीकाकरण कार्यक्रम पर कई मिथकों को दूर करते हुए जानकारी दी है. इस तरह के एक मिथक को स्पष्ट करते हुए कि केंद्र बच्चों के टीकाकरण के लिए कोई कदम नहीं उठा रहा है, पॉल ने कहा कि अभी तक दुनिया का कोई भी देश बच्चों को वैक्सीन नहीं दे रहा है. साथ ही, डब्ल्यूएचओ ने बच्चों का टीकाकरण करने की कोई सिफारिश नहीं की है.

हालांकि पॉल ने कहा कि बच्चों में टीकों की सुरक्षा के बारे में अध्ययन किए गए हैं, और यह उत्साहजनक रहे हैं. पॉल ने कहा कि भारत में भी जल्द ही बच्चों पर ट्रायल शुरू होने जा रहा है. हालांकि, बच्चों का टीकाकरण व्हाट्सएप ग्रुपों में फैलाई जा रही दहशत के आधार पर तय नहीं किया जाना चाहिए और क्योंकि कुछ राजनेता इस पर राजनीति करना चाहते हैं. पॉल ने आगे कहा कि परीक्षणों के आधार पर पर्याप्त डेटा उपलब्ध होने के बाद ही हमारे वैज्ञानिकों द्वारा यह निर्णय लिया जाना है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र राज्यों को तय दिशा-निर्देशों के अनुसार पारदर्शी तरीके से पर्याप्त टीके आवंटित कर रहा है. दरअसल, राज्यों को भी वैक्सीन की उपलब्धता के बारे में पहले से ही सूचित किया जा रहा है. पॉल ने यह भी घोषणा की कि निकट भविष्य में

वैक्सीन की उपलब्धता बढ़ने वाली है और बहुत अधिक आपूर्ति संभव होगी. गैर-सरकारी माध्यम में, राज्यों को 25 प्रतिशत खुराक मिल रही है और निजी अस्पतालों को 25 प्रतिशत खुराक मिल रही है. हालांकि, राज्यों द्वारा लोगों को इन 25 प्रतिशत खुराकों को देने में ही हो रही मुश्किलों और समस्याओं को बहुत अधिक करके बताया जाता है. हमारे कुछ नेताओं का व्यवहार, जो टीके की आपूर्ति पर तथ्यों की पूरी जानकारी के बावजूद, प्रतिदिन टीवी पर दिखाई देते हैं और लोगों में दहशत पैदा करते हैं, बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है. यह समय राजनीति करने का नहीं है। हम सभी को इस लड़ाई में एकजुट होने की जरूरत है. उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार ने सुनिश्चित किया है कि भारत बायोटेक के अपने संयंत्रों को बढ़ाने के अलावा 3 अन्य कंपनियां/संयंत्र कोवैक्सीन का उत्पादन शुरू करेंगी, जो अब 1 से बढ़कर 4 हो गई हैं. भारत बायोटेक द्वारा कोवैक्सीन का उत्पादन अक्टूबर तक 1 करोड़ प्रति माह से बढ़ाकर 10 करोड़ माह किया जा रहा है. इसके अतिरिक्त, तीनों सार्वजनिक उपक्रमों का लक्ष्य दिसंबर तक 4 करोड़ खुराक तक उत्पादन करने का होगा. पॉल ने कहा कि सरकार के निरंतर प्रोत्साहन से, सीरम इंस्टीट्यूट प्रति माह 6.5 करोड़ खुराक के कोविशील्ड उत्पादन को बढ़ाकर 11.0 करोड़ खुराक प्रति माह कर रहा है. उन्होंने कहा कि भारत सरकार रूस के साथ साझेदारी में यह भी सुनिश्चित कर रही है कि स्पूतनिक का निर्माण डॉ. रेड्डी के समन्वय के साथ 6 कंपनियों द्वारा किया जाएगा. केंद्र सरकार जायडस कैडिला, बायोई के साथ-साथ जेनोवा के अपने-अपने स्वदेशी टीकों के लिए कोविड सुरक्षा योजना के तहत उदार वित्त पोषण के साथ-साथ राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में तकनीकी सहायता के प्रयासों का भी समर्थन कर रही है.

नरोल किसान खरीदी केंद्र पर किसानों के साथ की जा रही जम कर ठगी

रामनाम की लूट है लूट सके तो लूट ,भाजपा राज्य में सबको मिल गयी छूट

दबोह(अर्पित गुप्ता)

नगर के हायर सेकेंडरी विद्यालय के मैदान पर बना नरोल किसान खरीदी केंद्र पर किसानों के साथ जमकर ठगी की जा रही है आलम यह है कि पचास किलो छः सौ ग्राम की जगह कभी इक्यावन की तो कभी इक्यावन किलो चार सौ ग्राम की तोल की जा रही है सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मजदूरों के नाम पर लेबर चार्ज के रूप में किसानों के अनाज में से पंद्रह से बीस किलो अनाज अलग से निकाल लिया जाता है इतना ही नही जब किसी किसान के द्वारा इस बात पर पूछ ताछ की जाती है तो उसको तुलाई के लिए इंतजार करने के लिए बोल दिया जाता है ओर यदि आपको जल्दी तुलबान है तो 20 रुपया प्रति बोरा किसानों से लिया जाता हैं जबकि शासन ने किसानों की फसल को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया गया है और उन्हें तारीख भी दी गई थी पर तुलाई केंद्रों पर भृष्टाचार के चलते सभी नियम ताक पर रख दिये गये हैं। और किसान तीन से चार दिन से इंतजार कर रहा किसान इंतजार सूची में जाने के डर से किसी से कुछ बोलने को तैयार नही है जब कोई अधिकारी यहाँ देखने के लिए पहुँचता है तो दस से पंद्रह मिनट के लिए तुलाई बंद कर दी जाती है इस खरीदी केंद्र पर भ्रष्टाचार की बात करे दो न तो यहा किसानों के बैठने के लिए न तो किसी छाव की व्यवस्था है,न ही जलपान की और तो और यहाँ तक की यहाँ पर रेट सूची भी नही लगाई गई है वही कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बचाव के लिए शासन द्वारा जो प्रोटोकॉल चलाये जा रहे उनका तो यहाँ पर कही से कही तक पालन नही किया जा रहा है।

एसडीएम ने भी निरीक्षण के दौरान जल्द से जल्द तुलाई कराने पर ही दिया ध्यान–लहार एसडीएम आर ए प्रजापति बुधवार की शाम जब इस खरीदी केंद्र पर निरीक्षण के लिए पहुँचे तो लेवर के द्वारा उनके सामने हाल फिलहाल में तुलाई बंद कर दूसरे कामो पर ध्यान दिया जाने लगा वही एसडीएम महोदय के भी द्वारा खरीदी केंद्र संचालक से सिर्फ और सिर्फ तुलाई के लिए वारदाने के विषय पर बात करते हुए उसकी पूर्ति कराने की बात की गई जब मीडिया कर्मियों के द्वारा एसडीएम महोदय से खरीदी केंद्र पर चल रहे भ्रष्टाचार की बात की गई तो एसडीएम महोदय ने कहा कि फिलहाल हमारे द्वारा जल्द से जल्द तुलाई कराने पर ध्यान दिया जा रहा है हमारा उद्देश्य यह है कि जितनी जल्दी हो सके किसानों को उतनी जल्दी फ्री कर दिया जाए जिससे बारिश से किसानों का अनाज भी खराब न हो यदि वाकई में किसानों के साथ कोई ठगी की जा रही है तो मेरे द्वारा तुलाई के बाद जाँच कराकर उचित कार्यवाही की जाएगी।

आखिर कार जाता कहाँ है किसानों का बीस किलो अनाज?–एक ओर जहाँ प्रदेश सरकार किसानों के लिए खेती को लाभ का धंधा बनाने में लगी हुई हैं तो वही दूसरी ओर दबोह में नरोल किसान खरीदी केंद्र पर किसानों को सरेआम लुटा जा रहा है पर इन किसानों के लिए न तो कोई अधिकारी बोल रहा है और न ही कोई सत्तापक्ष का नेता बोलने को तैयार है दबोह में नरोल सोसायटी के नाम से संचालित किसान खरीदी केन्द्र पर किसानों से तुलाई के दौरान एवं लेबर चार्ज के नाम पर ठगा हुआ पन्द्रह से बीस किलो अनाज आखिर कार जाता कहा है इतना सब कुछ होने के बाद भी सम्पूर्ण मामले में किसी भी प्रकार की जाँच न होना एवं अधिकारियों का उदासीन रवैया रहना कर्मचारियों एवं अधिकारियों को संदेह के घेरे खड़ा करता है ऐसी स्तिथि में तो सिर्फ यही कहना मुनासिब होंगा कि राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट भाजपा के राज्य में सबको मिल गयी छूट।

एक नजर...

भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष द्वारा चिकित्सालय में लगाया गया हैल्प डेस्क

संतोष सिंह भदौरिया

भिण्ड । जिला चिकित्सालय भिंड में भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्री अजय सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में सेवा ही संगठन के तहत हेल्प डेस्क लगाकर कोविड 19 महामारी के चलते मरीजों एवं उनके साथ उनके अटैंडरो को बिस्किट के पैकिट एवं पानी की बोतल वितरित की गई तथा कोरोना से बचाव करने के मास्क पहनने शाशन की जारी गाईड लाईन के लिए कहा जिसमें जिला महामंत्री धर्मेन्द्र सिंह टंटी सतेंद्र पाठक जिलामंत्री रक्षपाल सिंह राजपाल सिंह किसान मोर्चा नगर अध्यक्ष शम्भू दयाल श्रीवास नगर उपाध्यक्ष रवि वाजपेयी गिरीश भदौरिया शंकर कुशवाह शुशील भदौरिया आदि मोजूद रहे।

कनीगपेर गीरवी ज्वेलर्स एसोसिएशन की तरफ से एकावन हजार दौ सौ रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष में सुपुर्द किये

चैन्नई–मुख्यमंत्री राहत कोष मे देने के लिए तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन कनीगपेर कि तरफ सु 51200/ रुपये तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द को सुपुर्द किया इस कार्यक्रम में पेरीयपालीयम, भागीरत जाट, कनीगपेर के कन्हैयालाल प्रजापत गणपतलाल, राठौड़, भँवरलाल काग ,सुरेश राठौड़, हरीराम प्रजापत, मांगीलाल प्रजापत, राजेश कुमार,प्रजापत राकेश कुमार प्रजापत, मुलाराम,प्रजापत,मुरगेशन चेटीयार हनुमानराम, चौधरी हेमाराम चौधरी, लक्ष्मीनारायण चेटीयार, जिवाराम काग, भरतकुमार राठौड़, तिरुनावकरुस चेटीयार, मोजुद थे।

45 अवैध क्वार्टर देशी शराब सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

एटा। थाना मारहरा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम भुरगवां से 02 अभियुक्तगण पुष्पेन्द्र पुत्र राजपाल निवासी भुरगवां थाना मारहरा सोमेन्द्र पुत्र प्रमोद निवासी भुरगवा थाना मारहरा को 45 क्वार्टर अवैध देशी शराब सहित गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है ।

जिले को कोरोना मुक्त करने के लिए किल कोरोना-4 अभियान प्रारंभ

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

होशंगाबाद। कलेक्टर धनंजय सिंह ने अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन करने के दिए निर्देश।संपूर्ण होशंगाबाद जिले को 31 मई, 2021 तक कोरोना मुक्त करने के लिए विशेष रूप से एक्टिव केस युक्त ग्राम एवं शहरी क्षेत्रों में कोरोना के हॉट-स्पॉट का चिन्हांकित कर कोरोना को समाप्त करने के लिए किल कोरोना-4 अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर धनंजय सिंह ने सभी एसडीएम, तहसीलदार , जनपद सीईओ एवं सीएमओ को किल कोरोना-4 अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किए जाने के निर्देश दिए हैं। किल कोरोना-4 में ग्रामीण क्षेत्रों में रणनीति तैयार करने के संबंध में दिए गए निर्देशानुसार किसी भी ग्राम में एक या अधिक एक्टिव केस हो तो ऐसे ग्रामों में पुनः डोर-टू-डोर सर्वे कराकर स्क्रीनिंग कार्य किया जा रहा है। ग्राम स्तर पर स्क्रीनिंग के लिए गठित प्राथमिक दल में आशा, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता, साहायिका, ग्राम रोजगार सहायक के साथ दल में जन अभियान परिषद् के प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं नगर पंचायत के लिए नगर पंचायत के मैदानी कर्मचारी को भी शामिल किया गया है। द्वितीय स्तरीय पर्यवेक्षक दल जिसमें आशा, सहयोगिनी, ए.एन.एम, सी.एच.ओ, एल.एच.व्ही, पुरुष सुपरवाईजर, मलेरिया सुपरवाईजर, लेप्रोसी सुपरवाईजर, बी.ई.ई, एस.टी.एस, एस.टी.एल.एस, पंचायत सचिव और आँगनबाड़ी सुपरवाईजर शामिल हैं। द्वितीय स्तरीय पर्यवेक्षक दल प्राथमिक दल के द्वारा दी गई सूची की पुष्टि के आधार पर उन घरों में पुनः बुखार एवं कोरोना के लक्षण के संभावित रोगियों को लक्षण के अनुसार औषधियां उपलब्ध कराई जाएगी। कोविड के लक्षण वाले रोगियों को फीवर क्लीनिक में जांच के लिए रिफर किया जाएगा। किल कोरोना-4 अभियान के तहत 26 मई को ब्लॉक सोहागपुर में ग्राम बोरना गूजर, तेलसिर, नकटुआ, शोभापुर, सूखा खेड़ी, परसाई पिपरिया आदि में , ब्लॉक सिवनी मालवा में ग्राम कोठरा, अर्चनगांव, थूआ, तिलीवाली, मालापाट, नदरवाडा आदि में ,ब्लॉक बनखेड़ी में ग्राम कामती, जुहेटा, पांजरा, परसवाड़ा डांडिया, बाचावानी आदि में , ब्लॉक पिपरिया में मर्का ढाना, पिसुआ, उटियकिशोर आदि में, ब्लॉक होशंगाबाद में ग्राम गुर्रा, दमदम, रामपुर, ज़ासलपुर, डोलरिया,आवारी मिसुद,रन्थाल ,शैल ,मोहारी, रायपुर ,रैसलपुर आदि में , इसी तरह अन्य ब्लॉको एवं निकायों में प्रथम एवं द्वितीय दल द्वारा सर्वे एवं मेडिकल किट का वितरण किया गया।

मौ कस्बे में गंभीर पेयजल संकट मा का पा ने आक्रोश व्यक्त किया

गोहद (महेंद्र शर्मा)

मौ (भिंड)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व जिला सचिव राजेश शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया की मौ कस्बे के नागरिक पिछले 3 महीने से गंदा एवं बदबूदार पानी पीने को मजबूर है। मध्य प्रदेश सरकार एवं उसका प्रशासन कुंभकरण की निद्रा में सो रहा है। मा का पा नेता श्री शर्मा ने बताया कि मौ कस्बे के वार्ड क्रमांक 2, 4, 5, 6, 7 में 8 दिन छोड़कर गंदा एवं दुर्गंध युक्त पानी की सप्लाई दी जा रही है। बाकी वार्डों में भी दुर्गंध युक्त पानी दिया जा रहा है। कोरोना जैसी महामारी में मौ कस्बे के नागरिकों को गंदा एवं दुर्गंध युक्त पानी पिलाकर जानबूझकर मौ के नागरिकों को बीमार करने की कोशिश की जा रही है। मा का पा नेता ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मौ कस्बे में प्रतिदिन स्वच्छ एवं शुद्ध पानी की आपूर्ति बहाल की जाए एवं दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। मा. क. पा. नेता शर्मा ने उपयुक्त कार्यवाही ना होने पर जन आंदोलन की चेतावनी दी है।

ऊर्जा मंत्री के पड़ोसी जिले में बिजली सप्लाई व्यवस्था ध्वस्त

रात 12 बजे से सुबह 8 बजे तक सुनिश्चित टीम करती है आराम, फॉल्ट आते ही लोगों की नींद में पड़ता खलल, सुबह 8 बजे के बाद उपभोक्ता की होती सुनवाई, गर्मी में लोड बढ़ते ही घटिया केबल गरम होती है जिससे ट्रांसफार्मर भी जल रहे हैं, भिंड जिले में बिजली कर्मियों को मटेरियल न मिल पाना एक बड़ी समस्या है

उमाकान्त शर्मा भिण्ड रिपोर्टर

भिण्ड। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भिंड सर्किल में इन दिनों रात के बिजली के फॉल्ट आने पर लोगों की सुनवाई नहीं होती। रात के समय डिवीजन पर एफओसी टीम आराम करती है। यह टीम सुबह 8 बजे से रात 12 बजे तक ही सक्रिय रहती है। भीषण गर्मी के बीच रात में बिजली सप्लाई ठप होते ही नींद में खलल पड़ता है। कई बार लोगों को बिना नींद पूरी किए रात निकालने पर विवश होना पड़ता है। यह हाल प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के पड़ोसी जिले भिंड का है। भिंड जिले में बिजली सप्लाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त नजर आ रही है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के ट्रांसफार्मरों में फाल्ट आने के बार जिले के कस्बा स्तर पर कोई सुनवाई नहीं होती है। रात के समय बिजली का तार टूटना। फाल्ट आना जैसी समस्या को अनदेखा किया जाता है। रात के समय बिजली कंपनी के अफसरों के भी मोबाइल रिसीव नहीं होते हैं। ऐसे में उपभोक्ता को सुबह का इंतजार करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि जिले के भिंड शहरी क्षेत्र को छोड़ दिया जाए तो अटेर डिवीजन, गोहद, डिवीजन, लहार डिवीजन और मेहगांव डिवीजन में सुबह 8 बजे से रात 12 बजे तक ही एफओसी टीम सक्रिय रहती है। इस दौरान सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक एक एफओसी टीम काम करती है। दूसरी एफओसी टीम की टाइमिंग शाम 4 बजे से रात 12 बजे तक रहती है। बिजली कंपनी के रिकॉर्ड में रात के समय दो या तीन कर्मचारी मेंटेनेंस के लिए तैनात रहते है। वे समस्या का समाधान करेंगे। यह मेंटेनेंस टीम के पास एफओसी पर की गई शिकायतों के मैसेज नहीं आते है। इसलिए सुबह 8 बजे के बाद ही ही फाल्ट में सुधार होता है।

ना वाहन और ना कर्मचारी–भिंड जिले में दो लाख से अधिक उपभोक्ता है। शहरी क्षेत्र के अलावा चार डिवीजन है। हर डिवीजन पर प्रतिदिन चार सौ से पांच से शिकायतें आती है। इन शिकायतों को हल करने में एफओसी टीम सुबह से रात तक चकरघिन्नी रहती है। हर एफओसी टीम पर एक ही वाहन है जो कि हर रोज 16 घंटे दौड़ता है। इन टीमों में 50 साल से अधिक उम्र के कर्मचारी है। जोकि बिजली पोल पर चढ़ने असमर्थता जाहिर करते हैं। कर्मचारियों की कमी व वाहन की उपलब्धता का अभाव होने पर इस तरह की समस्या बन रही है।

डिवीजन स्तर पर बिजली मटेरियल तक नहीं–डिवीजन स्तर पर तैनात कर्मचारी हर वक्त एक ही बात कहते नजर आते है कि ना डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स है। ना एसएलडी बॉक्स। केबल भी कंडम है, लोड बढ़ने पर जल रही है। पूरे जिले में अधिकांश ट्रांसफार्मर हांफ रहे है। किसी से तेल रिसाव कर रहा तो तो किसी के जंपर टूट रहे है। बिजली कर्मचारियों का कहना है कि सुधार करने के लिए विभाग में कंडक्टर नहीं मिल रहे हैं। बिजली मटेरियल न होने पर जुगाड़ तुगाड़ से काम कर रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री से नहीं हो सकी बात–इस पूरे मामले में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर से बातचीत करनी चाही। उनके एक फोन नंबर को किसी युवक ने उठाया और उसने दूसरा नंबर दिया और कहा कि मंत्री जी आउट ऑफ सिटी है। जब दूसरे नंबर पर फोन संपर्क करना चाहा। बार-बार फोन करने पर भी रिसीव नहीं हो सका। इधर, भिंड जिले के महाप्रबंधक दिनेश सुखीजा का कहना है कि एफओसी टीम रात में कहां-कहां काम नहीं करती है। यह जानकारी जुटा रहा हूं। लोगों की शिकायतों के समाधान को लेकर पूरी तरह सक्रिय हैं।

ऑक्सीजन प्लांट महूवासियों के संजीवनी का काम करेगा: मंत्री ठाकुर

(अब महू ऑक्सीजन के मामले में बना आत्मनिर्भर)
पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

महू। महू तहसील के सरकारी अस्पताल मध्य भारत में मरीजों को तरह तरह की सौगात लगातार मिल रही है। इसी कड़ी में महू विधायक एवं पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर और महू धार सांसद छतर सिंह दरबार ने सरकारी अस्पताल में पहुंचकर ऑक्सीजन प्लांट का शुभारंभ किया। इसके साथ ही यह हॉस्पिटल प्रदेश का तहसील स्तर का ऑक्सीजन प्लांट वाला पहला सरकारी हॉस्पिटल बन गया है। शुभारंभ अवसर पर मंत्री सुश्री ठाकुर ने कहा कि यह प्लांट महूवासियों के लिए संजीवनी का काम करेगा । मंत्री सुश्री उषा ठाकुर के प्रयासों से वेंटिलेटर मशीन के बाद अब लगभग 60 लाख की लागत से (जिसमे 16 लाख विधायक निधि एवं बाकी जन सहयोग से) ऑक्सीजन प्लांट का आज शुभारंभ कैबिनेट पर्यटन व संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर व धार सांसद छतर सिंह दरबार जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री कविता पाटीदार व पदाधिकारियो द्वारा किया गया । ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए मंत्री द्वारा स्थानीय मध्यभारत सिविल हॉस्पिटल में लगभग 60 लाख की लागत से ऑक्सीजन प्लांट शुरू करवाया गया, इस ऑक्सीजन प्लांट से लगभग 850 क्यूबिक मीटर आक्सीजन प्रतिदिन प्राप्त हो सकेगी 100 मरीजो को एक साथ ऑक्सीजन की कमी को पूरा किया जा सकता है। मंत्री सुश्री ठाकुर ने बताया कि आसपास के सभी उप स्वास्थ्य केन्द्रों को भी आवश्यकता अनुसार यही से ऑक्सीजन सप्लाई की जा सकेगी । मंत्री सुश्री ठाकुर ने बताया कि जल्द ही सिविल हॉस्पिटल को एक और सौगात सिटीस्कीन मशीन की मिलने वाली है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन का गठन कर मनाई स्वर्गीय बाबूलाल की जयंती

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की नवगठित जिला कार्यकारिणी द्वारा एक सभा रखी गयी, जिसमे एसोसिएशन के संस्थापक आदरणीय स्व0 बाबू बालेश्वर लाल जी की 34वी पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही पत्रकार के हितों की रक्षा एवं एवं स्व0 संस्थापक जी के मिशन को आगे बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा की गई। उक्त कार्यक्रम के बाद सभी पत्रकार बंधुओ द्वारा वृद्धाश्रम में जाकर वृद्धों को फल वितरण किये गए। इस कार्यक्रम के दौरान जिलासंयोजक एवं सदस्यता प्रभारी अरविंद गुप्ता जी ने सभी पत्रकार बधुओं से एकता की अपील की। इस कार्यक्रम में महेश सोलंकी, राजीव मिश्रा, दिनेश शर्मा, परवीन पाठक, अमोल श्रीवास्तव, रोहिताश चौहान, आशू पराशर, मोहित ठाकुर, वैभव जैन, योगेश यादव, करन प्रताप, राहुल कुमार, दीपक दीक्षित, अनुज मिश्रा, फारूक अब्बास, सोनू माथुर मौजूद रहे।

नगर निगम द्वारा शहरी क्षेत्रों में किया जा रहा है इंटेंसिव सैनिटाइजेशन

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

इंदौर। नगर निगम इंदौर द्वारा शहर में कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लगातार शहर के विभिन्न बाजारों एवं क्षेत्रों में इंटेंसिव सैनिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में आज कलेक्टर मनीष सिंह एवं नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिभा पाल की उपस्थिति में प्रातः 8:00 बजे दवा बाजार क्षेत्र से सैनिटाइजेशन का कार्य शुरू किया गया। इसके पश्चात कलेक्टर सिंह एवं नगर निगम आयुक्त सुश्री पाल की उपस्थिति में ही सियागंज, जवाहर मार्ग, बजाज खाना चौक, सर्राफा बर्तन बाजार साटा बाजार मारोठिया बाजार, शीतलामाता बाजार, एवं एमटीएच हॉस्पिटल, सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल एवं अन्य एवं आसपास के क्षेत्रों में तथा समस्त प्रमुख बाजारों अस्पतालों एवं भीड़ भरे क्षेत्रों में लगभग 30 वाहनों जिसमे 360 डिग्री का सैनिटाइजेशन करने वाले 10 ट्रैक्टर, 14 बड़ी प्रेशर मशीन, 2 जेट प्रेशर मशीन, 4 जेट टैंकर सैनिटाइजेशन के माध्यम से युद्ध स्तर पर सैनिटाइजेशन का कार्य किया गया। इस दौरान कलेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर लगातार सैनिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में आज निगम एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा शहर के ऐसे स्थान जहां पर नागरिकों का लगातार आना जाना रहता है ऐसे स्थानों को सैनिटाइजेशन कर सुरक्षित करने का कार्य निगम की अलग-अलग टीमों द्वारा लगातार किया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त सुश्री पाल ने बताया कि निगम की टीम द्वारा भीड़ भरे क्षेत्रों दवा बाजार, सियागंज, मारोठिया बाजार, शीतलामाता बजार, बजाज खाना चौक, के साथ ही शहर के एमवायएच हॉस्पिटल परिसर के आसपास का क्षेत्र, सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के आसपास का क्षेत्र एवं अन्य अस्पतालों को भी प्राथमिकता से निगम की टीम द्वारा सैनिटाइजेशन कार्य किया गया है।

विकलांगों द्वारा ट्वीट के माध्यम से केंद्रीय मंत्री व प्रदेश मंत्रीयों को अपनी बात पहुंचाई

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। विकलांग बल मध्यप्रदेश जिला इकाई भिण्ड सहित मध्यप्रदेश के 15 लाख से अधिक विकलांग व्यक्तियों के लिए लॉकडाउन और कोरोना काल में सहायता करने के संबंध में आज भिण्ड जिले सहित प्रदेश के 52 जिलों में प्रदेश के विकलांगों द्वारा काला दिवस मनाया गया ।प्रदेश के सभी विकलांगों द्वारा ट्वीट के माध्यम से आज भारत के प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री को यह अवगत कराया गया कि मध्यप्रदेश में 2011 की जनगणना के अनुसार 15 लाख से अधिक विकलांग जन निवास करते हैं। एक तो वैसे ही इनकी स्थिति दयनीय थी और कोरोना और लॉकडाउन के कारण इनकी स्थिति और भी ज्यादा दयनीय हो गई है। इस हेतु समस्त विकलांग साथियों की आप से निम्नलिखित मांग है। आशा है कि आप इन्हें पूरी अवश्य करेंगे।

1- मध्यप्रदेश के विकलांग जनों की पेंशन 3 वर्षों से कोई वृद्धि नहीं हुई है जबकि महंगाई बहुत ज्यादा बढ़ गई है । अतः पेंशन में वृद्धि की जाएं और राशन की दुकानों से विकलांग प्रमाण पत्र के आधार पर ही उन्हें राशन दिलवाया जाएं ताकि यह अपने भोजन, पानी, दवाइयां, किराया आदि की व्यवस्था कर सकें।

2- वर्ष 2020 के लॉकडाउन के बाद से कई विकलांग व्यक्तियों को प्राइवेट जॉब से बाहर कर दिया गया जिन विकलांग जनों की दुकानें थी वह 1 साल बाद भी नहीं चल पाई। प्रधानमंत्री के द्वारा आत्म निर्भर भारत के लिए 20 लाख करोड़ के लोन (ऋण) की घोषणा की गई थी । उसमें से एक पैसा किसी विकलांग जन को नहीं मिल पाया है। अतः निवेदन है कि लाखों विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु उनके रोजगार हेतु बिना ब्याज का लोन (ऋण) देने की कृपा करें। ताकि वह भी प्रदेश और देश के विकास में आत्मनिर्भर होकर महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

3- कोरोना काल एवं लॉकडाउन में हमने कई आमानवीय दृश्य देखे हैं उनमें से एक यह भी है कि कई विकलांग व्यक्तियों ने अपने संगठन के माध्यम से कलेक्टर एवं अन्य अधिकारियों को एवं विधायक, सांसद व समस्त जनप्रतिनिधियों को विकलांगों की समस्या के लिए मांग पत्र आवेदन ज्ञापन दिया और कई बार दिए हैं लेकिन इनमें से किसी ने भी विकलांगों की समस्या को हल करना तो दूर आश्वासन तक नहीं दिए। अतः विकलांग व्यक्तियों को भी विकलांग विभागों के अधिकारी बनाइए और 15 लाख की आबादी के हिसाब से विकलांग व्यक्तियों को भी चुनाव में आरक्षण देकर उनका जनप्रतिनिधि बनाने की कृपा करें ताकि इनकी अनदेखी कोई ना कर सकें।

4- कोरोना की बीमारी से बचाने के लिए विकलांग व्यक्ति को घर पर ही प्राथमिकता के साथ सबसे पहले टीका लगवाया जाएं ताकि उन्हें आने-जाने के परेशानी एवं बीमारी के संक्रमण से भी बचाया जा सकें।

उपरोक्त समस्त वाजिब मांगों के लिए हमें आशा ही नहीं पूरा विश्वास है कि इन वाजिब मांगों को आप अवश्य पूरा करेंगे और ऐसा नहीं होने पर प्रदेश के समस्त विकलांग संगठन मुख्यमंत्री आवास एवं निःशक्तजन कार्यालय के आगे की सड़क जाम करके धरना व आंदोलन कर अपनी मांगे मनवाएंगे। उस अवस्था को नहीं बनने दें। ऐसी स्थिति में प्रशासन ही इसका जिम्मेदार होगा!

भिण्ड से इन विकलांग ने ट्वीट किये– नारायण जाटव भिण्ड, रामगोविंद गोहद, गजेंद्र कुशवाह रौन, ब्रजेश शाक्य भिण्ड, संतोष चौरसिया भिण्ड, महेंद्र सिंह गोहद, प्रताप कुशवाह भिण्ड, नीरज यादव भिण्ड, करन सिंह गोहद, गोविन्द भदौरियाभिण्ड, राम प्रकार शाक्य फूप, नीरज कर्ण गोहद, डी.के. लहार. अजब कुमार मेहगांव, श्याम चकवा भिण्ड, रिंकू भदौरिया भिण्ड, अंकित जैन भिण्ड,. रंजीत बघेल अटेर, सौरभ बघेल रौन।

डॉक्टर रुचि रामटेक्कर कोविड सेंटर में निस्वार्थ भाव से दे रही अपनी सेवाएं

रितेश कटरे ब्युरो चीफ

बालाघाट / लांजी नगर के मणिबाई प्राथमिक शाला के समीप निवासरत सुखराम रामटेकर पुत्री व प्रतिष्ठित व्यापारी रूपचंद रामटेकर की भतीजी डॉक्टर रुचि रामटेकर अपनी एमबीबीएस की पढ़ाई पूर्ण कर कोविड अस्पताल लांजी में सेवाएं दे रही है। बता दे कि डॉक्टर रुचि ने वर्ष 2014 में भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में अपना एडमिशन लिया था जिनका 2019 में एमबीबीएस पूर्ण हुआ। डॉक्टर रुचि ने अपनी एमबीबीएस की पढ़ाई के बाद शासन के नियमानुसार 1 साल के अनुबंध के तहत 10 मई 2020 से 15 मार्च 2021 तक बालाघाट कोविड सेंटर में अपनी सेवाएं दी। इसके उपरांत 16 मार्च 2021 से 10 मई 2021 तक लांजी सिविल अस्पताल में बने कोविड सेंटर में मरीजों का उपचार कर अपनी सेवाएं देकर 1 साल का

अनुबंध पूर्ण किया। वर्तमान समय में अस्पताल में कार्यरत संविदा कर्मचारी एवं आयुष चिकित्सक दोनों अपनी मांगो के लेकर हड़ताल पर है जिसके चलते स्थाई चिकित्सको के द्वारा अस्पताल का काम काज कर व्यवस्था संभाली जा रही है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर रुचि रामटेक्कर भी अपने अनुबंध पूर्ण करने के बावजूद निस्वार्थ भाव से निशुल्क सेवा दे रही है। डॉक्टर रुचि रामटेक्कर के सेवा भाव कार्य से कलार समाज गौरवांवित है। बता दे कि डॉक्टर रुचि संयुक्त परिवार से आती है एवं अपने परिवार में सबसे छोटी है। डॉक्टर रुचि ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कठोर लगन - परिश्रम तथा अपने परिवार जिसमे पिता सुखराम रामटेकर, माता विध्या रामटेकर, भाई राहुल रामटेकर, चाचा खुशीराम रामटेकर, रूपचंद रामटेकर, युवराज रामटेकर को दिया है।

उप स्वास्थ्य केन्द्र थरा को कोरोना वैक्सीन सेंटर बनाने के लिए ग्रामीण युवाओं की शासन प्रशासन से मांग

युवाओं का कहना है कि थरा में स्वयं ही आबादी लगभग सात से आठ हजार है और ओर पास पंद्रह गांव से सौलह गांव की आबादी है

भीमसेन तोमर

थरा। कोरोनावायरस सुरक्षा के लिए वर्तमान में कोरोना वैक्सीनेशन का कार्य इस समय भारत सरकार और राज्य सरकार के सहयोग से संपूर्ण प्रदेश भर में चल रहा है। इसी वैक्सीन की सुविधा को देखते हुए गांव के युवाओं ने सरकार से गांव के ही उप स्वास्थ्य केन्द्र थरा में कोरोना वैक्सीन सेंटर बनाने की मांग रखी। ग्रामीण युवाओं का कहना है कि गांव में अधिकांश लोग, जिनमें महिलाएं, बड़े बुजुर्ग, और 18+के कुछ लोग जो अम्बाह में वैक्सीन लगवाने के लिए आनाकानी करते हैं। अगर गांव के उप स्वास्थ्य केन्द्र पर वैक्सीन सेंटर बनाने पर गांव की महिलाएं और बुजुर्ग जन सहजता से वैक्सीन लगवाने के लिए मान जाएंगी। और जिस प्रकार से यहां पर टीकाकरण अभियान के दौरान लोगों में जो दिलचस्पी और होंसला बुलंदी दिखाई देती वैसा ही लोगों को जो अभी कोरोना वैक्सीन को लेकर लोगों में तरह तरह की गलतफहमियां, भ्रांतियां हैं वह एक दूसरे को वैक्सीन लेते हुए देखेंगे तो वह स्वयं भी इस काम के लिए प्रेरित होंगे। इस लिए हम सब ग्रामीण जन मिल कर सरकार से गांव में ही कोरोना वैक्सीन सेंटर बनाने की मांग रखतें हैं। ग्रामीणों युवाओं में, मांग रखने वाले अरुण सिंह तोमर, शिव सिंह तोमर, सत्यवीर सिंह तोमर, भोलू, ओमवीर सिंह तोमर, पंकज सिंह, लोले तोमर, गौरव तोमर अंकित सिंह, सुधीर कुशवाह, राम सिंह कुशवाह। आदि लोगों ने अपनी मांगों को सरकार के समक्ष प्रस्तुत की। हम दिखवा लेते हैं कि वैक्सीन के लिए यहां आवश्यक पूर्ण व्यवस्थाऐं उपलब्ध है कि नहीं।। एस, कारखुर बी, एम ओ खड़िया हार मुरैना।

प्रताड़ित मामले का मानवाधिकार ने किया निराकरण

श्योपुर। जिले से 20 किलोमीटर दूर मानपुर थाने के अंतर्गत ग्राम बालापुरा मे पति दुर्गाशंकर शर्मा पत्नी सुमन शर्मा मे आपसी विबाद होने के कारण पति गुमशुदा हो गया था कल मानपुर थाने पर आकर बयान दर्ज किये पर दोनों का विवाद शांत नहीं हुआ तो पत्नी ने अपने मायके से यंहा लोगो को बुला लिया पर मामला बिबादित स्थिति मे पहुंच गया फिर उक्त मामले को भारतीय मानवाधिका टीम ने संज्ञान मे लेकर मानपुर थाना प्रभारी शिवराम कंसाना ऐ एफ आई देवेन्द्र जादोन और पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर मामले को शांत करके पति पत्नी को समझाइस दी तो दोनों पति पत्नी ने अपनी गलती स्वीकार करके रिश्ते को कायम रखने

के लिए तैयार हो गये मानवाधिकार कि टीम से प्रदेश अध्यक्ष नीलमणी वैष्णव, स्टेट जनरल सेकेट्री राम नरेश शर्मा और जिला उपाध्यक्ष राम संकर प्रजापति, युवा समाज सेवी नितिन सिंह सोलंकी आदि कि उपस्थित मे इस मामले का निराकरण किया, परिवार वाले और ग्रामीण लोगो ने भारतीय मानवाधिकार संघठन कि टीम का आभार व्यक्त किया।

कार्यपालन यंत्री पीएचई ने विजयपुर विकासखण्ड के ग्रामों का किया भ्रमण

श्योपुर। कलेक्टर राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जिले के विकासखण्ड विजयपुर के क्षेत्र में पीएचई के कार्यपालन यंत्री बीएस आचालें द्वारा भ्रमण कर पेयजल की व्यवस्थाओ का जायजा लिया। इस दौरान नगर परिषद विजयपुर के सीएमओ एनएल करैया भी उनके साथ थे। इस दौरान दोनो अधिकारियों ने शहरी क्षेत्र विजयपुर की पेयजल व्यवस्था पर चर्चा की। साथ ही नागरिकों को पीने का पानी सुचारू रूप से बनाये रखने के लिए नलकूप खनन कराने का निर्णय लिया। यह नलकूप खनन भूजल विद द्वारा सर्वे कराकर उचित स्थान पर कराये जावेगे। पीएचई के कार्यपालन यंत्री बीएस आचालें ने अधिकारी/कर्मचारियों के साथ विजयपुर से गुजरने वाली क्वारी नदी में पानी बरसने से नदी का जलस्तर बढ़ा है। उससे क्षेत्र के नलकूपों का पेयजल स्तर बढ़ा है। उन्होने बताया कि जिला पंचायत के आदेश अनुसार जनपद विजयपुर द्वारा ग्राम लाडपुरा एवं लादर में कुआं की खुदाई की जा रही थी। जिसका निरीक्षण किया। इसी प्रकार जल जीवन मिशन की अन्य योजनाओं का भी अवलोकन किया। इसके अलावा ग्राम सड़क डांडा, ग्राम शिवलालपुरा एवं प्रगतिरत योजना किशनपुर का भी निरीक्षण कर संबंधित ठेकेदार व सहायक यंत्री को कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये। कार्यपालन यंत्री पीएचई ने निरीक्षण के दौरान हैंडपंपों एवं उनमें प्री मानसून से पहले किए जाने वाले क्लोरिनेशन की भी जानकारी ली। इस दौरान जिला सलाहकार आराधना पाराशर, सहायक यंत्री आरईएस श्री सेंगर, उपयंत्री श्री ओकोया को निर्देशित किया कि ग्रामीणों को किसी भी प्रकार ग्रीष्म काल में पेयजल की समस्या का सामना ना करना पड़े। इस दिशा में हर स्थिति में ग्राम में अधिक से अधिक पेयजल स्त्रोत चलते रहे। जिन ग्रामों में जल स्तर से हैंडपंप एवं नलकूप सूख गए हैं। वहां पर भी यह सुनिश्चित किया जावे कि कम से कम दो सफल पेयजल स्त्रोत सदैव चलते रहना चाहिए।

जिले में कोरोना संक्रमण रोकने की कार्यवाही जारी

श्योपुर। कलेक्टर राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में नोबल कोरोना वायरस कोविड-19 के अतंर्गत श्योपुर जिलें में संक्रमण को रोकने के लिए विभिन्न प्रकार के उपाय किये जा रहे है। साथ ही समय-समय पर मिलने वाले संक्रमित मरीजो को कोरोना से निजात दिलाने की कार्यवाही जारी है। सीएमएचओ ने बताया कि कोरोना संक्रमण की दिशा में राज्य/अन्य राज्यों से आये 17313 यात्रियो की स्क्रीनिंग कार्य मेडीकल टीम द्वारा समय-समय पर कराने की सुविधा दी गई है। जिसमें विदेश भ्रमण से आये 64 व्यक्तियों को स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई। इसी प्रकार विदेश से आये इतने ही व्यक्तियों को होम कोरेनटाईन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। साथ ही उनका होमकोरेनटाइन का पीरियड भी पूर्ण हो चुका है। इसके अलावा विदेश से आये 02 यात्री जिले मे वापिस नही लौटे है। इसी प्रकार जिले में होम कोरेनटाईन किये गये 17550 व्यक्तियों में से 17550 को घर भेजा जा चुका है। इसके अलावा 74579 व्यक्तियों के सेम्पल लिये जा चुके है। साथ ही 3888 कोरोना वायरस सेम्पल रिपोर्ट पॉजीटिव पाई गई थी। इसी प्रकार कोरोना वायरस सेम्पल में 69712 व्यक्तियों की जानकारी नेगेटिव पाई गई है। सीएमएचओ श्योपुर द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार 322 व्यक्तियों की सेम्पल रिपोर्ट प्राप्त नही हुई है। इसके अलावा 579 कोरोना वायरस सेम्पल पैथोलॉजी द्वारा रिजेक्ट कर दिये गये है। कोरोना संक्रमण से 57 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है।

तामीलनाडु मुख्यमंत्री राहत कोष में पुच्चेथीपेट व्यापारियों ने 51 हजार रुपये सुपुर्द किये

पुष्पांजली टुडे

चैन्नई। आज तामीलनाडु मुख्यमंत्री राहत कोष मे देने के लिए तामीलनाडु पॉन ब्रोकर एवम् ज्वेलर्स एसोसिएशन पुच्चेथीपेट क्षेत्र शाखा ने 51000/रुपये तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द को सुपुर्द किया इस कार्यक्रम मे पेरीयपालीयम के भागीरत जाट, तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन पुच्चेथीपेट प्रभारी ओमप्रकाश प्रजापत भरतकुमार सीरवी प्रकाश प्रजापत, सरवन देवासी, बाबुलाल प्रजापत, ओमप्रकाश प्रजापत, बाबुजी प्रजापत, चेनाराम जाट, मदन प्रजापत, ओमप्रकाश चौधरी, राजकमल सुमेर जाट, सुरेश प्रजापत, भरत चौधरी ,रमेश प्रजापत, रुपाराम प्रजापत,नेमराम देवासी, मोजुद थे।

नेहरू ने 1955 में ही ऑक्सीजन के बड़े प्लांट लगवा दिए मोदी ने तो वैज्ञानिक निर्देश भी नही माने: चौहान

श्योपुर। देश की आजादी के स्वतंत्रता सेनानी व प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की श्रधांजलि कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने विचार व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा की वो लगातार देश मे कांग्रेस शाशन व नेहरू - गांधी परिवार से विकास व कार्यो का हिसाब मांगते है जबकि हकीकत देश - दुनिया के रिकॉर्ड में भारतीय विकास की मजबूत दीवार नेहरू- इंदिरा - राजीव व मनमोहन

नेहरू की 57 वी पुण्य तिथि कांग्रेस ने कोरोनो नियम में मनाई, देश-प्रदेश व श्योपुर में हुई में कोरोना से मृत आत्मा को भी दी श्रधांजलि

57 वी पुण्य तिथि जिला कांग्रेस ने कोरोनो गाइड लाइन के तहत 10 कांग्रेस जनो के साथ केबीएस मार्किट में आज श्रधांजली देकर मनाई !! इस दिनचर्या मे विद्यालय से बाहर हम बालिकाओं कि जिज्ञासा, खोजी और लगातार प्रश्न पूछने कि प्रवर्ती का आनंद लेते हे.

बालिकाये अपने आस -पास कि दुनिया से बहुत ही सक्रिय रूप से जुड़े रहते हे. वह खोज बिन करते हे, ने रखी है! चौहान ने कहा कि जिस ऑक्सीजन (प्राणवायु) की जरूरत देश मे आज साल भर से कोरोना वायरस की भारत मे बड़ी लहर में फैलने की वैज्ञानिक चेतावनी को भी नरेंद्र मोदी व शिवराज सरकार मजाक में लेकर नए प्लांट ऑक्सीजन के नही लगा सकी! चौहान ने कहा कि इसके इतर पंडित नेहरू ने ऑक्सीजन की महती आवश्यकता वर्ष 1955 में महसूस कर ली थी और देश मे भिलाई , राउलकेला , बोकारो में इसके बड़े उत्पादन के प्लांट लगा दिए थे।

वार्ड संकट प्रबंधन समिति की सक्रियता से कोरोना महामारी पर लग रहा है अंकुश

श्योपुर। वैश्विक महामारी कोरोना से अब श्योपुर जिले को निजात मिलती दिखाई दे रही है।जहा कोरोना को लेकर वार्ड संकट प्रबंधन समिति की सक्रियता के चलते लोगो को जागरूक किये जाने के साथ ही उन्हें कोरोना का टीका लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।जहा वार्ड संकट प्रबंधन समिति की सक्रियता से ऐसा लगता है कि जल्द ही श्योपुर कोरोना से मुक्त हो जाएगा इसी क्रम में आज वार्ड क्रमांक 5 में किल कोरोना अभियान के अंतर्गत वार्ड के नागरिकों को संकट प्रबंधन समूह के सदस्यों के साथ मिलकर टीकाकरण के लिए प्रेरित किया इस अवसर पर कई मुस्लिम युवाओं ने कोरोना वैक्सीन का टीका लगवाया इस अवसर पर शशांक भूषण मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुश्री मिनी अग्रवाल आदित्य चौहान अकरम खान निसार खान आरिफ खान सखावत खान स्वास्थ्य विभाग एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा ने हेल्प डेस्क के समापन पर नींबू शर्बत पिलाकर बांटे मास्क

श्योपुर । श्योपुर जिला चिकित्सालय में कोविड 19 टीकाकरण को लेकर आने वाले लोगो के सहयोग के लिए एक हेल्प डेस्क जिला चिकित्सालय में लगाया हुआ था जहा हेल्प डेस्क के माध्यम से टीकारण में आने वाली अड़चनों के साथ ही पूर्ण सहयोग हेल्प डेस्क के माध्यम से किया जा रहा था इतना ही नही होसलाहफजाई करने के लिए टीकारण के बाद लोगो का स्वागत भी हेल्प डेस्क के माध्यम से भाजपा द्वारा किया जारहा था जहा आज 27 मई को जिला चिकित्सालय श्योपुर के समापन सत्र पर भाजपा किसान मोर्चा जिला इकाई द्वारा निम्बू शर्बत बनाकर पिलाया गया वही लोगो को मास्क भी वितरण किये गए। इसी के साथ कोरोना महामारी के भीषण संकट में श्योपुर जिला चिकित्सालय में भाजपा के रामलखन नापाखेडली और बिहारीडुसिंह सोलंकी ने जिस तरह मानवता की सेवा का कार्य किया है आज उन दोनों के साथ और भी मित्र कोरोना योद्धाओं का भाजपा किसान मोर्चा जिला श्योपुर द्वारा शॉल एवं श्रीफल भेंट करके सम्मान किया गया। समापन कार्यक्रम निम्बू शर्बत बनाकर सभी अस्पताल में आएं मरीजो के परिजनों को पिलाया और जिन लोगो के पास मास्क नही था उनको मास्क देकर हमेशा मास्क लगाने को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह जाट,जिलापंचायत की जिलाध्यक्षा श्रीमति कविता सुरेश मीणा, पूर्व विधायक दुर्गा लाल विजय ,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक गर्ग, महावीर सिंह सिसोदिया, भाजपा जिला महामंत्री रामलखन नापाखेडली, जिला उपाध्यक्ष बिहारी सिंह, लखन जाट, नरेश मीणा, सुरेश मीणा, रामरूप मीणा, सतीश समाधिया, रामस्वरूप वैष्णव, गजेंद्र वर्मा, जुगनू सिकरवार, प्रेमप्रकाश बैरागी, चंदू शर्मा सोई, महेंद्र आर्य, आशीष यादव आदि कार्यकर्ताओं ने उपस्तिथ होकर सेवा ही संगठन को कारगार बनाया।

अनघढ़ को गढ़ रहे है गांधी आश्रम के चितेरेः जयसिंह जादोन

श्योपुर। वर्तमान में कोविड महामारी नें जहाँ एक ओर देश में सभी गतिविधियों पर रोक लगा दी है शहरी एंव ग्रामीण क्षेत्रों में सभी आर्थिक एंव सामाजिक ,शैक्षणिक गतिविधियां पूरी तरह से ठप्प हो गई है। समस्त शैक्षणिक संस्थान काफी समय से बन्द है। वहीं दूसरी ओर महात्मा गाँधी सेवाश्रम द्वारा संचालित कराहल ब बड़ोदा में 74 बालिका शिक्षा केन्द्रों पर सँस्था ने अपने क्षेत्रीय स्तर पर उपलब्ध कार्यकर्ताओ (अनुदेशकों) द्वारा मोबाईल फोन के माध्यम से घर से ही शैक्षणिक गतिविधियों को छोट-छोटे प्रोजेक्टों के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। सँस्था के एडवाइजर जयसिंह जादोंन ने बताया कि इन प्रोजेक्टों को शुरू करने से पहले सँस्था द्वारा अपने अनुदेशकों को मोबाइल फोन के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है। उसके बाद शिक्षक, शिक्षिकाओं द्वारा बालिकाओं के माता-पिता, भाई-बहन या अन्य घर के सदस्यों जिनके पास मोबाइल है को उन प्रोजेक्टों के कार्यो को समझाकर बालिकाओं की शैक्षिक गतिविधियों को नियमित संचालित किया जा रहा है। इन प्रोजेक्टों में बालिकाओं को आपने आस-पास उपलब्ध पेडों की सूची बनाना, गांव में उपलब्ध काम-धंधे, मिट्टी के खिलौने बनाना, घर में उपलब्ध बस्तूओं या अन्य सामग्रियों से गिनती करना, मिस्डकॉल देकर आर्नलाईन कहानियां सुनना जैसी रोचक गतिविधियों द्वारा बालिकाओं को शिक्षा देने का कार्य नियमित किया जा रहा है। इन गतिविधियों के माध्यम से बालिकाओं को मानसिक तनाव से भी दूर रखने का यह एक प्रयास है। लॉकडाउन लगने की वजह कोई शिक्षक गांव मे नही जा सकता तो सभी कार्यकर्त्ता ने मिलकर योजना बनाई की क्यों ना हम बालिकाओं को प्रोजेक्ट वर्क करवाये जिससे बालिकाए जिसका नाम रखा गया।

छोटा वैज्ञानिक -इसका उद्देश्य था कि-1.आम प्रतिकिर्या करते हे, चीजों के साथ कार्य करते हे, चीजे बनाते हे और अर्थ गढ़ते हे.

2. सिखने के विषय मे आधुनिक शोध बताते हे कि अगर बच्चों को सवाल पूछने, उनके उत्तर खोजने और सिखने के पर्याप्त मौके दिए जाये तो बच्चों मे सिखने के प्रति रुची जाग्रत होती हे।

3. बच्चा अपने परिवार व अपने परिवेश मे अन्त र्क्रिया करते हुए बहुत सारी चीजे सीख लेता हे वर्तमान शिक्षण पद्धति मे इस तरह के शिक्षण अधिगम के लिए बहुत कम स्थान हे बच्चों कि शोध कि प्रक्रिया मे समुदाय को शिक्षण हेतु महत्वपूर्ण श्रोत मानता हे।

4. उत्तर देने कि तुलना मे प्रश्न बनाने कि दक्षता ज्यादा महत्वपूर्ण हे। इस प्रक्रिया मे बच्चे स्वयं प्रश्न बनाते हे तथा प्रश्नों के जो उत्तर आते हे उनका विश्लेषण करते हुए आगे कि खोजबिन के लिए और प्रश्न बनाते हे।इस पूरी प्रक्रिया मे बच्चे गहन अवलोकनो और स्वनुभवो से सिखने कि और बढ़ते हे, सीखना उनके लिए बोझिल नही होता हे।

छोटा वैज्ञानिक पर कार्य -1. शिक्षक बच्चों से मोबाइल के द्वारा बातचीत करेगा और तीन से चार बालिकाओं का समूह बनाएगा, जो आस पास रहती हों..

एंव उनके अनुभव कि कोई थीम का चुनाव बालिकाओं के साथ मिलकर करेंगे जिसमे बालिकाओं के घर के सदस्य जानकारी के स्तर पर बालिकाओं कि मदद कर पाए।

2. दूसरे दिन शिक्षक और बालिकाएं बातचीत करके थीम के संदर्भ मे कुछ सवाल बनाएंगे। (लगभग 10 सवाल)

3. ये प्रश्न पत्र सुपरवाइजर और प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर वेरीफाई करेंगे।

4. इसके पश्यात बालिकाएं अपने घर के प्रत्येक सदस्य के साथ उन प्रश्नों पर बातचीत करनी होंगी एंव उतरो को नोट करना होगा।

5.बालिकाएं अगले 5 से 6 दिनों तक घर एंव घर के अगल बगल के घर के सदस्यों के साथ सर्वे का काम करेंगे। जिन बालिकाओं को लिखना नही आता और अभिभावक या समूह के अन्य बालिकाओं को लिखना आता हे तो वे अपने स्तर से बालिकाओं कि लिखने मे मदद करेंगे।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

सम्पादकीय

तूफान दर तूफान

भारत के पश्चिमी तट पर आए तूफान 'तौकते' के तुरंत बाद बंगाल की खाड़ी में आए तूफान 'यास' ने भारत के पूर्वी तट पर आक्रमण किया है। यह गनीमत है कि यास का स्वरूप उतना भयानक नहीं हुआ, जितनी आशंका थी, लेकिन अब भी वह बहुत खतरनाक है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में उसने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है, हालांकि जान का नुकसान बहुत कम हुआ है। हिंद महासागर में यह तूफान आने के मौसम की शुरुआत है। यह मौसम आम तौर पर नवंबर तक रहता है। जो लोग इस तूफान की मार से प्रभावित हुए हैं, उन्हें अच्छी तरह याद होगा कि पिछले साल इन्हीं दिनों इस क्षेत्र में तूफान 'अंफान' आया था, जो ज्ञात इतिहास के सबसे भयावह तूफानों में से एक था, जिसमें लगभग सवा सौ लोगों की जान गई थी और एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के आर्थिक नुकसान का आकलन किया गया था। भारतीय उप-महाद्वीप के इतिहास में किसी तूफान से होने वाला यह सबसे बड़ा नुकसान है। उसके तुरंत बाद पश्चिमी तट पर भयावह तूफान 'निसर्ग' ने आक्रमण किया था। निसर्ग तूफान इसलिए अनोखा था, क्योंकि यह साल के उस वक्त में आया, जब पश्चिमी तट पर तूफान बहुत कम आते हैं। लेकिन पिछले साल निसर्ग के बाद इस साल तौकते का आना और भी ज्यादा अनोखा है। मौसम का इतिहास बताता है कि इस साल कुछ छोटे-बड़े तूफान और आ सकते हैं। अच्छा हो कि ज्यादातर तूफान छोटे हों और उनसे कम से कम नुकसान हो। महामारी के दौर में तूफानों का आना ऐसा लगता है, जैसे एक के बाद दूसरी आपदा टूट पड़ी हो, जैसी दुनिया भर के धार्मिक ग्रंथों और पौराणिक साहित्य में कहानियां मिलती हैं। यह सही है कि मनुष्य ने विज्ञान और टेक्नोलॉजी के जरिये आपदाओं से होने वाले नुकसान को काफी कम किया है, लेकिन एक हद के बाद प्रकृति के आगे मनुष्य निर्बल हो जाता है। तूफानों के मामले में पहले से चेतावनी देने और तैयारी करने की वजह से अब जान-माल का नुकसान काफी हद तक रोका जा सकता है, लेकिन यह भी सही है कि ग्लोबल वार्मिंग और मौसम के बदलते मिजाज की वजह से ऐसी आपदाएं ज्यादा और अप्रत्याशित रूप से आ रही हैं। ऐसे में, ज्यादा तैयारी और सावधानी की जरूरत है। न सिर्फ तूफान, बल्कि सूखा, अतिवृष्टि और बाढ़ की घटनाएं भी लगातार बढ़ रही हैं और उनसे नुकसान भी ज्यादा हो रहा है। पिछले महीनों में हिमालयी क्षेत्र में बेमौसम बादल फटने की कई घटनाएं मौसम के बदलते और अनिश्चित स्वरूप को ही दिखाती हैं। तूफान की चेतावनी और उससे बचने के उपायों का जो तंत्र हमने विकसित किया है, उसमें सुधार की अभी बहुत गुंजाइश है, लेकिन वह काफी प्रभावी है। इससे हम उस दूसरी आपदा के मामले में सीख ले सकते हैं, जिसे अभी भुगत रहे हैं। कोरोना के कहर से यह सीख लेना जरूरी है कि बीमारियों की रोकथाम और उनसे बचाव के लिए एक मजबूत और कारगर सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र का होना जरूरी है, जो वक्त रहते खतरे का आकलन कर सके और उसकी रोकथाम के उपाय कर सके। मौसम का मिजाज जैसे बदल रहा है, उससे पैदा होने वाले खतरों का सामना सिर्फ एक प्रभावशाली और कारगर जन-कल्याणकारी प्रशासन तंत्र से ही संभव है।

मझधार में फंसा किसान आंदोलन

अजय कुमार, लखनऊ

इतना ही नहीं नया कृषि कानून वापस लेने की मांग को लेकर आंदोलनरत किसान नेताओं ने मोदी सरकार को सियासी मोर्चे पर पटकनी देने के लिए विपक्षी दलों के नेताओं से भी गलबहियां शुरू कर दी थीं,जिसकी वजह से भी आंदोलन भटक गया था। आंदोलन के नाम पर हिंसा की गई। बीजेपी को हराने के लिए चुनावी राज्यों मे किसान आंदोलन के नेता पहुंच गए। इसी वजह से लगने लगा था कि किसान नेताओं का मकसद किसानों की समस्याओं का समाधान कराना नहीं, बल्कि केंद्र सरकार को झुकाना है। इसी वजह से आम किसानों ने आंदोलन से दूरी बना ली। सबसे दुख की बात यह है किसान नेता कोरोना महामारी की भी खिल्ली उड़ा रहे हैं। कभी कहते है टीका नहीं लगवायेगें, तो कभी कहते हैं आधें टीके धरना स्थल पर ड्यूटी दे रहे पुलिस वालों को टीका लगाये जाएं ताकि हमें विश्वास हो जाए की सरकार हमारे साथ कुछ गलत नहीं कर रही है।

लखनऊ,नये कृषि कानून के विरोध में आंदोलन कर रहे किसान नेताओं का, मोदी सरकार के सख्त रवैये के कारण दम फूलने लगा है। वहीं धरना स्थल पर किसानों की लगातार कम होती संख्या ने आंदोलनकारी किसानों की नींद उड़ा रखी है। एक समय था जब मोदी सरकार किसानों से बातचीत से समस्या सुलझाने के लिए बुलावे पर बुलावा भेज रही थी,तब तो किसान नेता अड़ियल रवैया अपनाए हुए थे और अब जबकि आंदोलनकारी किसान नेता चाहते हैं कि केन्द्र सरकार उन्हें वार्ता के लिए बुलाए तो सरकार बातचीत के मूड में नजर नहीं आ रही है। ऐसा क्यों हो रहा है। यह बात आम मानुष भले नहीं समझ पाए,लेकिन संभवता सरकार को इस बात का अहसास हो गया है कि आंदोलनकारी किसान समस्या का समाधान करना ही नहीं चाहते हैं, इसी लिए किसान नेताओं द्वारा सरकार से बातचीत के लिए कोई नया प्रस्ताव भी नहीं भेजा है। मतलब साफ है कि अभी भी किसान नेता नये कृषि कानून की पूरी तरह से वापसी से कम पर सहमत नहीं हैं और सरकार पहले ही कह चुकी है कि वह नया कृषि कानून किसी भी हालत मे वापस नहीं लेगी।

दरअसल, आंदोलकारी, सरकार के पास बातचीत का प्रस्ताव भेजकर सिर्फ अपने आंदोलन को जिंदा रखने और इसे टूट से बचाने की कोशिश में लगे हैं। क्योंकि तमाम किसान अपने नेताओं से पूछ भी रहे हैं कि यदि सरकार से बातचीत नहीं होगी तो रास्ता कैसे निकलेगा। कब तक आंदोलन को खींचा जा सकता है। कोरोना महामारी के समय आंदोलन को जारी रखने पर भी किसान नेता बंटे हुए हैं। खासकर कोरोना को लेकर भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत जिस तरह की वे सिर-पैर की बातें कर रहे हैं,उससे किसानों में कुछ ज्यादा ही गुस्सा है। कई किसान नेता तो खुलकर कह रहे हैं कि यह किसान नहीं सियासी आंदोलन बन गया है। किसान आंदोलन को लेकर मोदी सरकार की सोच की बात की जाए तो ऐसा लगता है कि सरकार नये कृषि कानून के माध्यम से बिना बिचौलियों के किसानों से अधिक से अधिक गेहूं-चावल खरीद कर किसानों के बीच यह मैसेज पहुंचाना चाहती है कि दरअसल, कथित किसान आंदोलन, किसानों का नहीं बिचौलियों का आंदोलन है। नये कृषि कानून से इन बिचौलिओं को ही

नुकसान हो रहा है,जबकि किसान फायदे मे हैं। किसान फायदे में हैं, यह बात साबित करने के लिए सरकार द्वारा अनाज की खुल कर खरीद की जा रही है। पंजाब जहां किसान आंदोलन सबसे अधिक उग्र हुआ था, वहां अबकी से सरकारी गेहूं-चावल की रिकार्ड खरीददारी हुई है,जिससे किसान गद्गद हैं। बिचौलियों को दरकिनार कर उसके खाते में सीधे पैसा आ रहा है,जिस वजह से पंजाब में आंदोलन की धार कुंद पड़ती जा रही है। उत्तर प्रदेश में भी यही हाल है। यहां भी सरकारी गेहूं-चावल की खरीद में योगी सरकार पूरी ताकत लगाए हुए है।इसी वजह से गाजीपुर बार्डर पर बैठे किसान नेताओं के तंबू उखड़ने लगे हैं।

केन्द्र सरकार ने भी गेहूं और धान की खरीद में पिछले साल की तुलना में इस बार रिकॉर्ड बनाने का दावा किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 14 मई 2021 तक करीब 1.48 करोड़ किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 2,12,572 करोड़ का गेहूं -चावल खरीदा गया हैं। पिछले सीजन में 282.69 लाख मिट्रिक टन की गई खरीद की तुलना में इस सीजन में अब तक 366.61 लाख मिट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। चालू रबी विपणन सीजन में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 72,406.11 करोड़ रुपये की खरीद से लगभग 37.15 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। 14 मई तक कुल 742.41 लाख मीट्रिक टन (खरीफ फसल 705.52 लाख मीट्रिक टन और रबी फसल 36.89 लाख मीट्रिक टन) से अधिक धान की खरीद के साथ खरीफ के चालू सीजन 2020-21 में खरीद करने वाले राज्यों में धान की खरीद सुचारू रूप से जारी है। पिछले साल इसी अवधि में 687.24 लाख मीट्रिक टन की खरीद की गई थी। चालू खरीफ विपणन सीजन के खरीद अभियान के जरिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 1,40,165.72 करोड़ रुपये की खरीद से लगभग 1.11 करोड़ किसान लाभान्वित हुए हैं। इसके अलावा, राज्यों के प्रस्ताव के आधार पर मूल्य समर्थन योजना (पीसीएस) के तहत तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और आंध्र प्रदेश के लिए खरीफ विपणन सीजन 2020-21 और रबी विपणन सीजन 2021 के लिए 107.37 लाख मीट्रिक टन दलहन और तिलहन की खरीद को मंजूरी दी गई।

उधर, मोदी सरकार का किसानों को फायदा पहुंचाने के किए जा रहे प्रयासों और योजनाओं का किसानों के बीच धीरे-धीरे असर दिखने लगा है। यही सब जानते-समझते हुए आंदोलनकारी हड़बड़ाए हुए हैं। इसी लिए नये कृषि कानूनों के खिलाफ सड़कों पर उतरे किसान नेता अब अपने आंदोलन की वापसी के लिए नई राह तलाशने में जुट गए हैं। भले ही किसान नेताओं ने केंद्र सरकार से नए सिरे से बातचीत शुरू करने की चिट्ठी लिखी हो, लेकिन लगता नहीं कि ऐसा हो पाएगा, क्योंकि बातचीत की पेशकश करने वाले किसान नेताओं ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वे सरकार के उस प्रस्ताव पर सहमत हैं या नहीं, जो 11 दौर की बातचीत टूटने के बाद केंद्र ने उनके समक्ष रखे थे। यह बातचीत टूटी ही इसलिए थी, क्योंकि केंद्र की तमाम नरमी के बाद भी किसान नेता हठ पर अड़े थे। वे न केवल केंद्र सरकार को आदेश देने की मुद्रा अपनाए हुए थे, बल्कि तीनों कृषि कानूनों की वापसी से कम कुछ मंजूर करने को भी तैयार नहीं थे। इतना ही नहीं नया कृषि कानून वापस लेने की मांग को लेकर आंदोलनरत किसान नेताओं ने मोदी सरकार को सियासी मोर्चे पर पटकनी देने के लिए विपक्षी दलों के नेताओं से भी गलबहियां शुरू कर दी थीं,जिसकी वजह से भी आंदोलन भटक गया था। आंदोलन के नाम पर हिंसा की गई। बीजेपी को हराने के लिए चुनावी राज्यों मे किसान आंदोलन के नेता पहुंच गए। इसी वजह से लगने लगा था कि किसान नेताओं का मकसद किसानों की समस्याओं का समाधान कराना नहीं, बल्कि केंद्र सरकार को झुकाना है। इसी वजह से आम किसानों ने आंदोलन से दूरी बना ली। सबसे दुख की बात यह है किसान नेता कोरोना महामारी की भी खिल्ली उड़ा रहे हैं। कभी कहते हैं टीका नहीं लगवायेगें,तो कभी कहते हैं आधें टीके धरना स्थल पर ड्यूटी दे रहे पुलिस वालों को टीका लगाये जाएं ताकि हमें विश्वास हो जाए की सरकार हमारे साथ कुछ गलत नहीं कर रही है। किसान नेताओं की जिद के अलावा और कुछ नहीं कि वे कोरोना संक्रमण के भीषण खतरे के बाद भी धरना देने में लगे हुए हैं। इस धरने को तत्काल प्रभाव से खत्म करने की जरूरत है,। यह एक खौफनाक तथ्य है कि किसान संगठनों के जमावड़े के कारण ही पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ ग्रामीण इलाकों में कोरोना का संक्रमण फैला है।

समझ में नहीं आ रहा है कि क्यों हमारी अदालतें, किसान संगठनों की हिमायत करने वाले समाजसेवी संगठन और राजनीतिक दल किसान नेताओं पर इसके लिए दबाव क्यों नहीं बनाते कि वे अपना धरना खत्म करें? न जानें क्यों जिन लोगों का कुंभ की भीड़ से कोरोना फैलता दिखता है,उन्हें किसान आंदोलन स्थल पर जुटी भीड़, ईद की नमाज के समय एकत्र लोगों से कोरोना महमामारी फैलने का खतरा क्यों नहीं दिखता है। सवाल यह भी है कि नये कृषि कानूनों पर विशेषज्ञ समिति की समीक्षा रपट पर सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला क्यों नहीं सुना रहा है ताकि क्षदूध का दूध और पानी का पानीक्ष हो जाए।

खान सर

शिक्षा की जड़ें कड़वी अवश्य होती है, मगर फल मीठा होता है। शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसे आप दुनिया बदलने में उपयोग कर सकते हैं। ऋखान सर एक जाना-पहचाना नाम जिनका खान जी रिसर्च सेंटर यूं-ट्यूब चैनल, जिसके लाखों ग्राहक अर्थात सबस्क्राइबर हैं, आंच उनके नाम पर कन्ट्रोवर्सी हो रही है, कोई कहता है कि वो हिन्दू है अमित सिंह नाम है, कोई कहता है मुस्लिम है खान सर। खान सर राखी, दिवाली, ईद सभी त्योहार मिल कर मनाते हैं, खान सर की अनेकों पुस्तकें खान सर के नाम से पब्लिश हुई है जिनमें कुछ उर्दू में भी हैं। लेकिन सवाल इस बात पर है कि मुस्लिम होते हुए उन्होंने मुसलमान लोगों के लिए गलत कहा। आज का समय है कि हर इन्सान चाहता है कि लाठी मैं अपने हाथ में रखूं, ताकि भैंस मेरी बन जाए, चाहे वो ग़लत हुआ क्यों ना हो, हर इंसान को लालच खा गया है और इसी लालच के चलते अपने चैनल की पब्लिसिटी के लिए खान के नाम से यू. पी.आई. बना कर विडियो को काट-काटकर पेश करते हैं, जब हम किसी की पूरी बात नहीं सुनते तो उस पर हमेशा दो राय बन जाती है,अगर खान सर ने कुछ ग़लत कहा है तो तभी बवाल होना चाहिए था ना कि एक महीने बाद, 24 अप्रेल को कहीं गई बात 24 भी को क्यों उठाई गई। और खान सर ने कुछ ग़लत नहीं कहा जब किसी भी रैली का हिस्सा इतने लोग बनते हैं तो 80त्न लोगों को यह भी नहीं पता होता कि रैली का मकसद क्या है। और वही बात पाकिस्तान में फ्रांस के राजदूत को वहां से निकालने के लिए तहरीके लबैक पार्टी ने बच्चों को भी शामिल किया गया, ज़रा पूछिए उन बच्चों से कि क्या राजदूत शब्द का अर्थ मालूम है, खान सर कुछ ग़लत नहीं कहा कि ये बच्चे पढ़ें ना कि ऐसी रैलियों का हिस्सा बनें, और तहरीके लबैक पार्टी के बारे में कहा कि 18-19पैदा हो गए अर्थात ये छोटी सी पार्टी सबकी नज़रों में आना चाहती है महज इसलिए कोई ना कोई कांड करना है, तो राजदूत कांड कर दिया। खान सर का कहने का अर्थ कि मुस्लिम लोगों में पढ़ाई और व्यवसाय की कमी होने के कारण वो छोटे-छोटे व्यवसाय (मीट शाप जैसे)करते हैं, हिन्दुओं में शिक्षा जागरूकता अधिक है। खान सर ने कहा कि उस पाकिस्तान और चीन की क्या इज्ज़त करूं जिसके आंतकवादी अजमल कसाब ने 1999 में द्ब ष्ट. 814 विज्ञान हाईजैक किया और 6 दिन तक मासूमों को भूखे-प्यासे कैद रखा, इज़्ज़त करनी है तो अब्दुल कलाम की की जाए, और चीन जो द्बड्डह्लद्बद्गह्ल शद्ब ष्शह्मश्ठ्ठ है, कश्मीर जो हमारा मस्तक है एक तरफ पाकिस्तान ने श्चश्वद्म, और एक तरफ चीन ने कब्ज़ा किया है, जिन्होंने मेरी भारत माता का आंचल उछाला, उनकी इज्जत कैसे कर सकता हूं, मैं हिन्दू, मुसलमान से पहले भारतीय हूं, और भारतीय ही रहना चाहिए हम सभी को। खान सर अनगिनत स्टुडेंट्स को निशुल्क शिक्षा देते हैं, कितने ही अनाथों का पेट भरते हैं,आज वही स्टुडेंट्स, वही अनाथ बच्चे फोन करके उन्हें कह रहे हैं कि सर हमें मत छोड़ देना। खान के शब्दों में, ÷ कांट्रोवर्सी कर रहे हो, ट्वीट कर रहे हो मेरे नाम को लेकर, मेरी अधूरी बात सुनकर, काश तब कोई ट्वीट होता जब हम गुलाम थे, लाखों शहीद हुए तब हमें आज़ादी मिली, क्या कोई भी जानता है उन शहीदों के नाम, कोई ट्वीट तब होती जब छत्तीसगढ़ में हमारे जवानों को घेर कर मारा गया, कोई ट्वीट तब होती जब पाकिस्तान के कुत्तों ने हमारे शेर अभिनन्दन को घेर लिया था, कोई ट्वीट एजुकेशन के लिए होती। उनका मानना है कि अनपढ़ता अभिशाप है, अनपढ़ हुकुमरान भी अलग-अलग राय देते हैं, जैसे कोई कहेगा फातिया गलत है तो कोई कहेगा फातिया सही है, तो किसकी बात मानेंगे, अगर आप खुद समझदार है तो आपको कोई बहका नहीं सकता। खान सर किसी की बुराई नहीं कर रहे केवल समझा रहे हैं, लेकिन आज वो टूट चुके हैं। खान सर के शब्दों में, ÷इतना बड़ा परिवार है अजीब भी लग रहा है, मगर आप कहेंगे तो हम यूं-ट्यूब छोड़ देंगे, आप ही कमेंट करके बताइये, क्या सही, क्या ग़लत

तुम सर हो जो अपने, दुनियां को दिखा देंगे,
हम मौत को भी जीने का अंदाज़ सिखा देंगे।

प्रेम बजाज

चल पड़ेगा यादों से निकलकर

हां मुझे याद है
वो घर के बाहर खेलते बच्चे
दादी-नानी की गोद
सुंदरी बनती औरतें
जमघट लगाते आदमी
चलते बाज़ार की भीड़
सड़क के किनारे के गोलगप्पे
मिठाई की वो मशहूर दुकान
हरवक्त खुली सब्जीमंडी
फेरीवालों की आवाज़ें
कपड़े लेती बर्तन वाली
गुब्बारे वाले के रंगीन गुब्बारे
दूध की मलाईदार बेचता कुल्फी
भागती-दौड़ती मेट्रों के चक्कर
ऑटो-रिक्शा की आवाजाही
बसों में चढ़ती भीड़

यात्रा आसान करती
कैब
घरों में कामवाली
बाई की दस्तक
दूधवाले का खुला
दूध
नाई की चलती
दुकानें
फैंसी कपड़ों के
ट्रायल रूम
स्कूलों के दोस्त
कॉलेजों की क्लासें
बड़े-बड़े सम्मेलन
धर्म की दुकानें
सब याद है मुझे
इन्हें भूलने नहीं देता
कोरोना के क़हर से लड़ता
मेरा आत्मविश्वास
जो कहता है
आज यह सब रुका है
इंतज़ार में है इस बात के
कि घड़ियाँ चलने लगेंगी
इस रुके बुरे वक़्त की
और फिर सब का सब
चल पड़ेगा एक साथ ही
यादों से निकलकर
इसी दुनिया के धरातल पर
हमें अपने साथ लिए
बिना मौत के डर के...

डॉ. लता (हिंदी शिक्षिका), नई दिल्ली

रमाबाई आंबेडकर की पुण्यतिथि पर विशेष*

ईश्वर बंसोड महासचिव करूणागिरी

रमाबाई अंबेडकर त्याग और बलिदान की ऐसी प्रतिमूर्ति थीं जिनके बल पर डॉ अंबेडकर ने देश के वंचित तबके का उद्धार किया. पत्नी रमाबाई के सहयोग से ही भीमराव अंबेडकर महापुरुष बन पाए. बाबासाहेब भीमराव अपनी पत्नी रमा से अगाध प्रेम करते थे. अति निर्धनता में भी रमाबाई ने बड़े संतोष और धैर्य से परिवार का निर्वाह किया. हर मुश्किल वक्त में उन्होंने बाबासाहेब का साहस बढ़ाया.रमाबाई अंबेडकर का जन्म 7 फरवरी 1898 को महाराष्ट्र के वणंद गांव में एक गरीब परिवार में हुआ था. इनके बचपन का नाम रामी था. वहीं पिता का नाम भीकू धूत्रे (वणंदकर) व माता का नाम रुक्मणी था. इनके पिता कुलीगिरी करते थे, जिस कारण परिवार का पालन-पोषण बड़ी मुश्किल से होता था. छोटी उम्र में ही माता-पिता की मृत्यु हो जाने के बाद रामी और भाई-बहन सभी चाचा और मामा के साथ मुंबई आ गए. मुंबई में ये लोग भायखला की चाल में रहते थे. साल 1906 में इनकी शादी भामराव अंबेडकर के साथ हुई. शादी के वक्त इनकी आयु सिर्फ 9 साल और भीमराव की उम्र 14 साल थी. पति के प्रयत्न से रमा थोड़ा बहुत लिखना-पढ़ना भी सीख गई थी. भीमराव अंबेडकर रमा को 'रामू' कह कर बुलाते थे और रमाबाई भीमराव को 'साहब' कह कर पुकारती थीं. भीमराव के अमेरिका में रहने के दौरान रमाबाई ने कष्टो भरा दिन व्यतीत किया. उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा था लेकिन इसकी तनिक भी भनक उन्होंने बाबा साहेब को नहीं लगने दी. दूसरी बार बाबासाहेब जब पढ़ाई के लिए इंग्लैंड चले गए. इंग्लैंड जाने से पहले उन्होंने रमाबाई को घर-परिवार चलाने के लिए रुपए तो दिए थे लेकिन रकम इतनी कम थी कि वो रुपए बहुत जल्दी खर्च हो गए. तब आर्थिक अभाव के कारण रमाबाई उपले बेचकर गुजारा करती थीं. सीमित खर्च में घर चलाते हुए उन्हें कभी धनाभाव की चिंता नहीं हुई. साल 1924 तक बाबा साहेब और रमाबाई की पांच संतानें हुई. लेकिन बाबासाहेब और रमाबाई ने अपनी आंखों के सामने अभाव से अपने चार बच्चों को दम तोड़ते देखा. अपने चार-चार संतानों की मृत्यु देखने से बड़ी दु:ख की घड़ी और क्या हो सकती है. उनका पुत्र गंगाधार ढ़ाई साल की उम्र में ही चल बसा. फिर रमेश नाम के पुत्र की मौत हुई. इंदु नाम की बेटी भी बचपन में ही चल बसी. इसके बाद सबसे छोटा पुत्र राजरतन भी नहीं रहा. एकमात्र इनका सबसे बड़ा पुत्र यशवंत राव ही जीवित रहा. इनके चारों बच्चों ने अभाव के कारण ही दम तोड़ दिया.बेटे गंगाधर की मृत्यु के बाद उसकी मृत देह को ढ़कने के लिए नए कपड़े खरीदने को पैसे नहीं थे. तब रमाबाई ने अपनी साड़ी से टुकड़ा फाड़ कर दिया और फिर शव को वही ओढ़ाकर श्मशान घाट ले जाया गया और दफन किया गया।मा को हमेशा इस बात का ख्याल रहता था कि पति के काम किसी तरह की बाधा न आए. यह महिला संतोष, सहयोग और सहनशीलता की मूर्ति थी. भीमराव अंबेडकर हमेशा घर से बाहर ही रहते थे. अपनी कमाई वे हमेशा रमा के हाथों में देते और जब जितनी जरूरत पड़ती उनसे मांग लेते. रमाबाई घर चलाने के बाद उसमें से कुछ पैसे बचा भी लेती थी. उन्होंने हमेशा ही बाबासाहेब का पुस्तकों से प्रेम और समाज के उद्धार की दृढ़ता का सम्मान किया. भीमराव अंबेडकर के सामाजिक आंदोलनों में भी रमाबाई की सहभागिता रहती थी. दलित समाज के लोग रमाबाई को 'आईसाहेब' और डॉ. भीमराव अंबेडकर को 'बाबासाहेब' कह कर बुलाते थे. रमाबाई और बाबासाहेब दोनों भाग्यशाली थे. क्योंकि रमा को भी उनका जीवन साथी बहुत ही अच्छा और साधारण मिला था, वहीं बाबासाहेब को भी रमाबाई जैसी नेक और आज्ञाकारी जीवनसाथी मिली थी. भीमराव के जीवन में रमाबाई का कितना महत्व था, यह उनके द्वारा लिखी गई पुस्तक की कुछ लाइनों से पता चलता है. साल 1940 में डॉ. अंबेडकर ने 'थॉट्स ऑफ पाकिस्तान' नामक पुस्तक अपनी पत्नी को भेंट किया था.

दोपहरी गुज़रे ठंडी- ठंडी छांव में,

सदा रहें सलामत पेड़ मेरे गांव में।
पेड़ों से सजे हों गांव हमारे,
नीम का पेड़ हो द्वारे -द्वारे,
डाल पर रस्सी झूला झूले,
कुछ देर मोबाइल को भूलें,
कोई ना मरे शुद्ध हवा के अभाव में
सदा रहें सलामत पेड़ मेरे गांव में।
पेड़ लगाने से बड़ा मज़हब नहीं,
पेड़ सींचने से बड़ा अदब नहीं,
फल से बड़ा कोई नेअमत नहीं,
पेड़ से बड़ा कोई शोहरत नहीं,
जीवन जीयें सदा सद्भाव में,
सदा रहें सलामत पेड़ मेरे गांव।

नूर फातिमा खातून ÷नूरी÷(शिक्षिका)
जिला-कुशीनगर, उत्तर प्रदेश

ग़ज़ल

हम थे पत्थर दिल मगर हमको पिघलना आ गया

ज़िन्दगी तेरे हुनर में हमको ढलना आ गया
अपने दिल में रहमतों के ही ज़खीरे थे मगर
देखकर दुनिया हमें भी रुख़ बदलना आ गया
ना-समझ लगता था हमको वो जो परवाना कभी
इश्क़ क्या तुमसे हुआ हमको भी जलना आ गया
यह बहारों से भरे मौसम मुबारक़ हों तुम्हें
अब तो इस नादान दिल को भी बहलना आ गया
ज़िन्दगी के रास्ते भी थे अजब कुछ ठाकुर
हमको गिरते और फिसलते राह चलना आ गया

रघुबीर ठाकुर
रियासी (जम्मू कश्मीर)

विपक्ष का राजनीतिक मुखौटा है किसान आंदोलन

केंद्र सरकार द्वारा पारित तीन कृषक बिलों के विरोध में आज से ठीक छह माह पहले कृषकों ने एकजुट होकर आंदोलन शुरू किया था। और अभी इसी बिल के विरोध में या यह कहें कि सरकार के विरोध में काला दिवस मनाया गया था ।और पूरे विपक्ष ने एकजुट होकर इस काले दिवस का पुरजोर समर्थन किया है। ईस काले दिवस में किसान नेता टिकैत सहित अन्य समर्थक किसान संघों के नेता भी एकत्र हुए थे, जमकर भाषण बाजी हुई, जुमलेबाजी भी हुई। लेकिन जिस भयानक करोना के संक्रमण से पूरा देश जूझ रहा है, त्राहि-त्राहि कर रहा है और इसी संक्रमण से न जाने कितनी मौतें भी हुई हैं, इसकी परवाह न करते हुए किसानों ने बिना कॅरोना गाइडलाइंस का पालन करते हुए, बिना सोशल डिस्टेंसिंग रखते हुए, बिना मास्क लगाए हुए,इतनी बड़ी संख्या में एकत्र होकर देश को और देश की जनता को क्या संदेश दिया है। क्या इन्होंने संक्रमण कारी बीमारी कॅरोना को अपने गांव, अपने शहर, अपने घर में आने का आमंत्रण नहीं दिया है?एक व्यक्ति अपने घर के पांच व्यक्तियों को संक्रमित कर सकता है, ऐसे में इनके घरों में, गांव में, कस्बों में, शहरों में न जाने कितने हजार लोग कारोना के संक्रमण से अपनी जान गवा बैठेंगे, आंदोलनकारी कृषक नेताओं और समेकित विपक्षी राजनीतिक दलों की बुद्धि तथा सोच पर तरस आता है। क्या राजनीति, मानवता की संवेदना और सीमा से ऊपर है,या उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है, जो ऐसे अमानवीय आंदोलन को समर्थन तथा हवा देकर करोना जैसी भयानक बीमारी को आमंत्रण दे रहे हैं। ये वही राजनीतिक दल हैं, जो पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान रैलियों के तथा हरिद्वार में कुंभ मेले के आयोजन पर एक सुर से केंद्र सरकार को कोसने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी,और आज किसानों की बड़ी हजारों किसानों की संख्या वाली रैली को खुलकर समर्थन दे रहे हैं। और किसानों के साथ केंद्र सरकार के विरोध में किसान आंदोलन के छह माह पूर्ण होने पर काला दिवस के रूप में बड़ी संख्या में किसानों को एकत्र कर मना रहे है।आपको याद होगा की 26 जनवरी के गणतंत्र दिवस के मौके पर करोना की पहली लहर के दौरान लाखों संख्या में किसान दिल्ली सीमा पर एकत्र होकर आंदोलनरत थे, और खुले मैदान में टेंट लगाकर डटे हुए थे,और ये ही सारे किसान अपने गांव, शहर,कस्बो में जाकर करोना के संक्रमण के वाहक बने थे, जिसके परिणाम स्वरूप पंजाब और हरियाणा के गांव गांव में संक्रमण पूरी तरह से फैल चुका है। संविधान में आपको पूर्ण अधिकार दिया गया है, कि आप किसी भी बिल अथवा किसी भी सरकारी आदेश का विरोध कर शांतिपूर्वक आंदोलन कर सकते हैं, पर यह आंदोलन मानव जाति के जीवन के मूल्य पर नहीं किया जाना चाहिए। राजनीतिक विपक्ष के नेताओं को तो विरोध के लिए कोई ना कोई कंधा, कोई ना कोई समारोह, कोई जलसा, कोई जुलूस, जरूर चाहिए ही होता है, मंच, माइक और सामने हजारों की भीड़ इनका मनपसंद शतरंज की तरह का खेल होता है, फिर ईससे राष्ट्र का या मानव जीवन का नुकसान हो खिलवाड़, इन्हें जरा भी फर्क नहीं पड़ता। वर्तमान में बिखरे हुए विपक्ष को किसान आंदोलन

के रूप में किससे अच्छा मोहरा मिल नहीं सकता है। इन्हें कृषकों की भीड़ का समर्थन हर हाल में प्राप्त करना ही है। इसीलिए ये राजनीतिक दल किसानों को कृषि कानून के बारे में गुमराह कर, इनके नेतृत्व को बहला-फुसला कर बरगला रहे हैं, ये कृषकों के गर्म तवे पर अपनी अपनी रोटी सेकने के जुगत में लगे हुए हैं, इन्हें अन्देशा और भय है कि यह किसान आंदोलन शाहीन बाग के आंदोलन की तरह टाय टाय फिश ना हो जाए, इसीलिए समय-समय पर यह राजनीतिक दल कृषक आंदोलन की आग में भी डालते रहते हैं, पर यह बात तय है की 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर दिल्ली के हिंसक आंदोलन और 26 मई को बिना करोना गाइडलाइंस का पालन करते हुए काला दिवस मनाने के बाद आम नागरिकों और आम जनता की सहानुभूति यह कृषक आंदोलन खो चुका है। यदि हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक तक सीमित आंदोलनरत ये कृषक आंदोलन आयोजित करते हैं,तो करोना की तीसरी लहर को आने से रोकना एकदम कठिन हो जाएगा। क्योंकि अभी हरियाणा तथा पंजाब के गांव गांव में कोरोना संक्रमण पूरी तरह फैल चुका है, और यहां की सरकारें इस संक्रमण को रोकने मैं पसीना पसीना हो चुकी है। यह विदीत है कि केंद्र सरकार का किसानों के प्रति हमेशा सहानुभूति पूर्वक व्यवहार रहा है, किसानों से वार्ता के द्वार उन्होंने हमेशा खोल कर रखे हैं। बेहतर यह होगा की किसान नेताओं को आंदोलन की राह न पकड़ कर केंद्र सरकार से वार्ता के लिए पहल की जानी चाहिए,तब ही कहीं जाकर जानलेवा करोना संक्रमण से निजात पाई जा सकती है।

संजीव ठाकुर स्वतंत्र लेखक टिप्पणी कार रायपुर छत्तीसगढ़ 9009 415 415

दुबई के प्रिंस के जुड़वा बच्चों की सलमान ने शेयर की फोटो

फैन्स बोले-भाई अपने कब होंगे

दुबई के प्रिंस शेख हमदान जुड़वा बच्चों के पिता बने हैं। उनको कई सिलेब्स बधाई दे रहे हैं। सलमान खान ने भी उनकी तस्वीर के साथ उनको मुबारकबाद दी है। सलमान के इस पोस्ट पर उनके फैन्स मजेदार कॉमेंट्स कर रहे हैं। ज्यादातर ने पूछा है कि 'भाई' कब खुशखबरी दे रहे हैं। सलमान खान अपनी शादी के सवाल से परेशान रहते हैं। अब उनके फैन्स सीधे बच्चों के लिए पूछ रहे हैं। सलमान खान ने दुबई के प्रिंस को बधाई देने के लिए पोस्ट किया है। इसमें लिखा है, जुड़वा बच्चों के जन्म पर मुबारक हो शेख हमदान। उनके लिए प्यार, स्वास्थ्य, खुशियों और सम्मान की दुआ करता हूं। सलमान के इस पोस्ट पर उनके कई फैन्स ने पूछा है, भाई आपके कब होंगे। वहीं एक फैन ने लिखा है, तेरा खून कब खौलेगा? शेख हमदान ने 21 मई को जुड़वा बच्चे होने की खबर सोशल मीडिया पर दी है। वह एक बेटे और एक बेटी के पिता बने हैं।

सलमान ने केआरके को भेजा नोटिस

सलमान खान के वर्कफ्रंट पर बात करें तो ईद पर उनकी फिल्म 'राधे' रिलीज हुई है। फिल्म पाइरेसी और खराब रिव्यू के लिए भी चर्चा में है। कमाल राशिद खान ने फिल्म का नेगेटिव रिव्यू किया था, जिसके बाद सलमान की तरफ से उन्हें मानहानि का नोटिस भेजा गया है। सलीम खान तक पहुंचे केआरके इसके जवाब में केआरके ने कई ट्वीट किए हैं। उन्होंने सलमान खान के पिता सलीम खान को भी टैग किया है। इस ट्वीट में लिखा है, सलीम साहब, मैं यहां सलमान खान की फिल्मों और उनका करियर बर्बाद करने के लिए नहीं हूं। मैं फिल्मों का रिव्यू सिर्फ मजे के लिए करता हूं। अगर मुझे पता चला कि सलमान इससे प्रभावित हो रहे हैं तो अब मैं रिव्यू नहीं करूंगा। अगर वह मुझसे रिव्यू करने के लिए मना कर देते तो मैं रिव्यू करता ही नहीं।

बॉलीवुड खबरें

मायावती पर सेक्सिस्ट जोक मारकर विवादों में फंसे रणदीप हुडा

अभिनेता रणदीप हुड्डा का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह बीएसपी लीडर मायावती पर एक घटिया सेक्सिस्ट जोक मारते दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद रणदीप हुड्डा की जमकर आलोचना की जा रही है। अक्सर सिलेब्रिटीज बगैर सोचे-समझे ऐसी बातें बोल जाते हैं जिसके लिए बाद में उन्हें माफी मांगनी पड़ती है। कुछ दिनों पहले कमीडियन अबीश मैथ्यू ने अपने एक पुराने ट्वीट के लिए बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्षा मायावती से माफी मांगी थी। उस ट्वीट में मैथ्यू ने मायावती के बारे में अपमानजनक बातें लिखी थीं। अब एक वीडियो सामने आया है जिसमें बॉलिवुड ऐक्टर रणदीप हुड्डा यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती का नाम लेकर 'सेक्सिस्ट' और 'जातिवादी' मजाक करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में रणदीप हुड्डा सोशल मीडिया के बारे में बात कर रहे हैं। इसी बीच वह कहते हैं कि वह एक 'डर्टी जोक' सुनाएंगे। आगे रणदीप कहते हैं, 'मिस मायावती 2 बच्चों के साथ गली में जा रही थीं। वहां खड़े एक व्यक्ति ने उनसे पूछा- क्या ये दोनों बच्चे जुड़वा हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा- नहीं, यह 4 साल का है और वह 8 साल का है। इसके बाद उस आदमी ने कहा- मुझे विश्वास नहीं होता कि कोई आदमी वहां दो बार भी जा सकता है।' रणदीप का यह वीडियो आने के बाद लोगों को विश्वास नहीं हो रहा है और वे सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना कर रहे हैं। लोग इस वीडियो के सामने आने के बाद रणदीप हुड्डा से माफी मांगे जाने की भी डिमांड कर रहे हैं।

बॉलीवुड और बंगाली सिनेमा की बोल्ड अभिनेत्री राइमा सेन अपने टॉपलेस फोटशूट के कारण चर्चा में

बॉलीवुड और बंगाली सिनेमा की बोल्ड अभिनेत्री राइमा सेन अपने टॉपलेस फोटशूट के कारण खूब चर्चा में है। उनकी इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। बॉलीवुड में लोग उनके इस फोटोशूट की सराहना भी कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने इस फोटोशूट को लेकर बयान भी जारी किया है। उनका कहना है कि वो शूट के दौरान काफी सहज महसूस कर रही थीं। अगर फोटोशूट की बात करें तो इसमें राइमा खुले बालों और न्यूडअप में नजर आ रही है। उन्होंने सामने की ओर से खुद को एक टॉप से ढका हुआ है और ब्लू जीन्स पहनी हुई है। लुक को स्मोकी आइज और न्यूड लिप शेड से कम्पलीट किया गया है। उनका यह टॉपलेस फोटोशूट जमकर सुर्खियां बटोर रहा है। उनके फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स उनकी तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। राइमा सेन हिंदी के अलावा बंगाली सिनेमा में काफी सक्रिय रही हैं। अपने फोटोशूट को लेकर राइमा सेन ने कहा कि मैं कम्फर्टेबल महसूस कर रही थी, शूट के दौरान मुझे कुछ भी ऐसा कुछ नहीं लगा, जिससे मैं खुद को अनकम्फर्टेबल महसूस करूं। वो फोटो ज्यादा ग्लैमरस नहीं है और मैं शर्मिंदी इसान तो बिल्कुल नहीं हूं। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन के कारण उनका यह फोटोशूट उनके घर की छत पर ही हुआ है। राइमा सेन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने टॉपलेस फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका अंदाज काफी बोल्ड है और वो हमेशा की तरह ही बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। उन्हें हाल ही में संजय कपूर की वेब सीरीज द लास्ट आवर में देखा गया था।

शाहरुख खान की बेटी को शादी के लिए मिलने लगे प्रोपोजल

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं। धीरे-धीरे उनकी फैन फॉलोइंग भी बढ़ती जा रही है। इनमें से कई ऐसे भी हैं, तो उनके साथ शादी का ख्वाब पालने लगे हैं। सुहाना को उनके 21वें जन्मदिन के मौके पर बधाईयों के साथ शादी का प्रपोजल भी मिल गया है, जो काफी चर्चा में बना हुआ है। सुहाना ने हाल ही में अपना 21वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया है। अपने बर्थडे के खास मौके पर उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें भी पोस्ट की थी, जो काफी वायरल हुईं। इसी बीच गौरी खान ने भी ट्विटर पर सुहाना को जन्मदिन का बधाई देने के लिए उनकी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह बेहद खूबसूरत दिख रही थीं। वह तस्वीर काफी वायरल हुई और तमाम सोशल मीडिया यूजर्स ने भी इस पर कमेंट कर सुहाना को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इसी बीच एक यूजर ने इसी बहाने गौरी खान से उनकी बेटी का हाथ मांग लिया। उसने अपनी योग्यता साबित करने के लिए अपनी महीने की सैलरी भी बताई। सुहैब नाम के इस ट्विटर यूजर ने कमेंट में लिखा, 'गौरी मैम मेरी शादी सुहाना के साथ करवा दो, मेरी महीने की सैलरी एक लाख रुपये से ज्यादा है।' सुहैब का यह कमेंट भी काफी वायरल हो रहा है और लोग चर्चा कर रहे हैं। वैसे ये बात तो साफ है कि फिल्मों में काम करने की इच्छा रखने वाली सुहाना ने इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले ही लोगों के दिलों पर राज करना शुरू कर दिया है। आपको बता दें कि सुहाना खान इन दिनों अमेरिका में रहकर फिल्म मेकिंग की पढ़ाई कर रही हैं। उनका रुझान एक्टिंग में है। उनकी बेस्ट फ्रेंड अनन्या पांडे पहले ही बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकी हैं, जबकि शनाया कपूर जल्द ही फिल्मों में दिखाई देनेवाली हैं।

सुहाना के 21वें जन्मदिन के मौके पर बधाईयों के साथ शादी का प्रपोजल भी मिला

मासूम की जान बचाने के लिए आगे आए विराट-अनुष्का

16 करोड़ का इंजेक्शन दिलाने में की मदद, पैरेंट्स ने जताया आभार

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा इन दिनों अपनी नेक काम की वजह से वाहवाही लूट रही हैं। जी हां! अनुष्का, अपने पति और इंडियन क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली संग मिलकर एक बच्चे के लिए 16 करोड़ रुपये का इंजेक्शन व्यवस्था कर उनकी जान बचाने में मदद की। इस बात की जानकारी बच्चे के पैरेंट्स ने ट्वीट करते हुए दी है। बच्चे के पैरेंट्स ने अपने ट्विटर पोस्ट में मदद के लिए अनुष्का और विराट के प्रति आभार जताया है। यह ट्वीट खूब वायरल हो रहा है। लोग अनुष्का-विराट की तारीफ करते हुए ट्वीट कर रहे हैं। अनुष्का-विराट ने जिस बच्चे की मदद की है, उसका नाम अयांश गुप्ता है, जिसे एसएमए (स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी) नाम की दुर्लभ बीमारी थी। यह एक वंशानुगत रोग है, जिसके इलाज के लिए जोलगेंसमा इंजेक्शन की जरूरत होती है। रिपोर्ट की मानें तो यह दुनिया की सबसे कीमत इंजेक्शन में से एक है। इसकी कीमत 16 करोड़ रुपये बताई गई है।

पैरेंट्स ने ट्विटर पोस्ट किया पोस्ट, सदा शुक्रगुजार रहेंगे

अयांश के पैरेंट्स ने ट्विटर पोस्ट में विराट-अनुष्का की फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'एक फैन के तौर पर हमेशा हमने आप दोनों को पसंद किया है। आपने अयांश के लिए जो किया, वह हमारे उम्मीद से कहीं ज्यादा है। आपने जिंदगी की इस मैच को छक्के की मदद से जीता दिया। हम आपके सदा शुक्रगुजार रहेंगे।' अयांश के पैरेंट्स ने एक ट्विटर हैंडल बनाया। इस अकाउंट के जरिए उन्होंने लोगों से मदद मांगी थी। अनुष्का और विराट ने फंडरेजर की मदद से रकम जुटाने में उनका सहयोग दिया और उनकी आर्थिक मदद भी की है। अनुष्का-विराट के इस मुहिम में शामिल होते ही 16 करोड़ टारगेट पूरा हो गया है। इस बारे बताते हुए पैरेंट लिखते हैं कि हमने कभी नहीं सोचा था कि इस मुश्किल सफर का इतना खूबसूरत अंत होगा। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अयांश के इलाज के लिए 16 करोड़ रुपये की जरूरत थी और हम वहां तक पहुंच गए हैं। हमारा साथ देने वाले हर एक व्यक्ति का शुक्रिया... यह आपकी जीत है।

बेटे की मौत का गम भुलाने के लिए कोरोना मरीजों की मदद कर रही हैं अनुराधा पौडवाल

प्लेबैक सिंगर अनुराधा पौडवाल कोरोना काल में लोगों की मदद करने के चलते सुर्खियों में है। वह अपना ज्यादातर समय चैरिटी में गुजार रही है और लोगों को कोरोना के इलाज के लिए ऑक्सीजन और वेंटिलेटर मुहैया करवा रही है। अनुराधा ने ये कदम अपने बेटे आदित्य की मौत के बाद उठाया है। दरअसल, आदित्य की पिछले साल किडनी फेल्यर के चलते 35 साल की उम्र में मौत हो गई थी। अब अनुराधा उन्हीं के नाम से चैरिटी कर दूसरों की मदद कर रही हैं। अनुराधा ने एक इंटरव्यू में बताया, 'मैंने यूपी के दो शहरों में अस्पतालों में ऑक्सीजन कॉन्स्ट्रेटर और वेंटिलेटर पहुंचाए हैं। लोगों की मौत हो रही है, मैं इसके बारे में अखबार में पढ़कर सहम जाती हूं और इस वजह से ज्यादा से ज्यादा मदद कर रही हूं। मेरा सूर्योदय नाम से फाउंडेशन है जिसके जरिए हम दस स्कूलों और गांवों में वाटर कंजर्वेशन पर लगातार काम कर रहे हैं। मां की तरह आदित्य भी भजन सिंगर थे और म्यूजिक कंपोज करते थे। फेसबुक पर आदित्य ने अपनी आवाज में रिकॉर्ड किए कई भजन शेयर किए हुए थे। आदित्य ने खुद कंपोज किया एक म्यूजिक वीडियो 'अनबील्ड' भी 2019 में यूट्यूब पर रिलीज किया था। आदित्य का नाम भारत के सबसे कम उम्र के म्यूजिक डायरेक्टर के रूप में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। पद्मश्री और नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित अनुराधा पौडवाल ने लगभग 4 दशक तक बॉलीवुड गाने और भजन गाए हैं। उनकी शादी अरुण पौडवाल से हुई थी। अरुण संगीतकार एसडी बर्मन के असिस्टेंट थे। नब्बे के दशक में अनुराधा पौडवाल अपने करियर के शिखर पर थीं, उसी समय 1991 में उनके पति अरुण की एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। अनुराधा का जन्म 27 अक्टूबर 1952 को मुंबई के एक महाराष्ट्रीयन ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इन्होंने अमिताभ और जया बच्चन की फिल्म 'अभिमान' के जरिए सन् 1973 में सिंगिंग करियर शुरू किया था। इस फिल्म में उन्होंने संस्कृत के कुछ श्लोक गाए थे। बॉलीवुड और हिंदी भजनों के अलावा अनुराधा ने पंजाबी, बंगाली, मराठी, तमिल, तेलुगू, उड़िया और नेपाली भाषा में भी गाने गाए हैं। अनुराधा की बेटी कविता पौडवाल भी भजन गायिका रह चुकी हैं।

मर्डर में बोल्ड सीन देने के बाद मुझे गिरी हुई औरत समझने लगे थे लोग: मल्लिका शेरावत

मल्लिका शेरावत फिल्मों में अपनी बोल्ड इमेज के लिए जानी जाती हैं। फिल्म 'मर्डर' में उनके कुछ सीन्स काफी चर्चा में रहे थे। उन्होंने बताया है कि यह मूवी करने के बाद उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। लोग उन्हें गिरी हुई औरत समझने लगे थे। मल्लिका का कहना है कि अब दर्शकों का नजरिया बदल गया है। 2003 में मल्लिका ने 'ख्वाहिश' में लीड रोल से डेब्यू किया था। उसी साल वह 'मर्डर' में नजर आई थीं। दोनों फिल्मों में उनके बोल्ड सीन थे। इसके बाद बॉलीवुड में उनकी इमेज सेक्स सिंबल की बन गई थी। बॉम्बेटाइम्स से बातचीत में मल्लिका शेरावत ने बताया, जब मैंने मर्डर (2004) में ऐक्टिंग की थी तो उन सीन्स के लिए नैतिक रूप से मेरी लगभग हत्या कर दी गई थी। मुझे गिरी हुई औरत की तरह समझा जाता था। आज फिल्मों में वे चीजें कॉमन हैं। लोगों का नजरिया बदल गया है। हमारा सिनेमा बदल गया है। लेकिन आज जब मैं इसके बारे में सोचती हूं तो 50वें और 60वें दशक के सिनेमा से कोई मुकाबला नहीं कर सकता। हमारे पास औरतों को लिए हैरतगेज रोल होते थे लेकिन हमारी फिल्मों में इस खूबसूरती की भारी कमी दिखती है। मैंने वैसे रोल के लिए सालों इंतजार किया है।

ये थी मर्डर की स्टोरी

अनुराग बासु के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'मर्डर' में मल्लिका ने सिमरन का रोल किया था। उसकी शादी एक ऐसे इंसान से हो जाती है जो हर वक्त काम में बिजी रहता है। यह रोल अस्मित पटेल ने प्ले किया था। सिमरन अपने पुराने लवर सनी (इमरान हाशमी) से मिलती है और दोनों का अफेयर फिर से शुरू हो जाता है। सिमरन को अपराधबोध होता है और वह रिलेशनशिप खत्म कर देती है। लेकिन सनी उसे किसी भी कीमत पर पाने की ठान लेता है।

अमिताभ बच्चन के कारण टूट गई थी सलीम और जावेद की जोड़ी!

बॉलीवुड की जानी-मानी डायरेक्टर जोया अख्तर सलीम-जावेद की दोस्ती और उनकी फिल्मोग्राफी पर एक डाक्यूमेंट्री बनाने जा रही हैं। आपको बता दें कि सलीम-जावेद की जोड़ी ने बतौर राइटर सिनेमा को करीब 22 फिल्में दीं। इनमें से आधी से ज्यादा अमिताभ बच्चन के साथ हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो अमिताभ का करियर संवारने में इस जोड़ी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस जोड़ी के टूटने की वजह अमिताभ बच्चन ही बने थे। जर्नलिस्ट अनिता पद्धे ने अपनी मराठी बुक 'वही रंग यही रूप' में सलीम-जावेद के प्रोफेशनल ब्रेकअप की कहानी लिखी है। उन्होंने लिखा है, राइटर जोड़ी ने अमिताभ बच्चन को एक फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ अप्रोच किया, जो बाद में 'मि. इंडिया' नाम से बनी। अमिताभ को अदृश्य इंसान वाला यह कॉन्सेप्ट पसंद नहीं आया और उन्होंने यह कहते हुए फिल्म करने से इनकार कर दिया कि लोग उन्हें पर्दे पर देखने आते हैं, सिर्फ आवाज कौन सुनना चाहेगा। सलीम-जावेद अमिताभ के पास इस भरोसे के साथ गए थे कि उनकी आवाज फिल्म के लिए परफेक्ट रहेगी। लेकिन अमिताभ ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बुक के मुताबिक कि जावेद को लगा कि इस बेइज्जती के बाद उन्हें और सलीम को बिग बी के साथ काम नहीं करना चाहिए। लेकिन सलीम खान उनकी इस बात से पूर्ण रूप से सहमत नहीं थे। कुछ दिनों बाद जावेद अमिताभ की होली पार्टी में पहुंचे और उनसे कहा कि सलीम खान उनके साथ कभी काम नहीं करना चाहते। इस गलतफहमी की वजह से जोड़ी के कामकाजी रिश्ते बिगड़ गए और दोनों ने फिर कभी साथ काम नहीं किया। वहीं, जब अमिताभ ने ऑफर ठुकरा दिया तो फिल्म 'मिस्टर इंडिया' अनिल कपूर के खाते में गई। 'मिस्टर इंडिया' 1987 की सुपरहिट फिल्मों में से एक है।

सलीम-जावेद ने ये फिल्में अमिताभ के लिए लिखीं

अमिताभ बच्चन 1973 की जिस फिल्म से रातोंरात सुपरस्टार बन गए और एंग्री यंगमैन के रूप में उनकी पहचान बनी थी, वह 'जंजीर' भी सलीम-जावेद ने ही लिखी थी। कहा यहां तक जाता है कि सलीम-जावेद की सिफारिश के बाद ही प्रकाश मेहरा ने अमिताभ को इस फिल्म के लिए कास्ट किया था। 'जंजीर' के अलावा अमिताभ की 'मजबूर' (1974), 'दीवार' (1975), 'शोले' (1975), 'ईमान धरम' (1977)। 'त्रिशूल' (1978), 'डॉन' (1978), 'काला पत्थर' (1979), 'दोस्ताना' (1980), 'शान' (1980) और 'शक्ति' (1982) भी सलीम-जावेद की जोड़ी ने लिखी है।

न्यूज. ब्रीफ

पाकिस्तान में सेना की आलोचना करने वाले पत्रकार पर जानलेवा हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सेना और सशस्त्र बलों के काले कारनामों को सामने लाने वाले पत्रकार की घर में घुसकर हत्या करने का प्रयास किया गया। हमलावर उसको मरणासन्न स्थिति में छोड़कर चले गए। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग ने इस घटना की कड़ी आलोचना की है। पत्रकार जगत में जबर्दस्त रोष है। पत्रकार असद अली तूर ने पिछले दिनों पाक की दुर्दशा को लेकर पाकिस्तान के निर्माण पर ही सवाल उठा दिया था। तूर की पहचान सरकारी एजेंसियों के अत्याचारों को उजागर करने वाले पत्रकार के रूप में है। वह ब्लागर और यू ट्यूबर हैं। इससे पहले प्रशासन ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया था, बाद में लाहौर हाई कोर्ट से उन्हें राहत मिली।

तालिबान ने अमेरिका को क्षेत्र में नया अड्डा बनाने के खिलाफ चेताया

इस्लामाबाद। तालिबान ने अफगानिस्तान से लौट रही अमेरिकी सेना को क्षेत्र में सैन्य अड्डा बनाने के खिलाफ चेताया और पाकिस्तान ने अपनी सरजमीं पर अमेरिका को अड्डा बनाने की इजाजत नहीं देने का संकल्प लिया है। पाकिस्तान ने यह भी कहा कि पाकिस्तानी क्षेत्र से ड्रोन से हमले करने की भी कोई गुंजाइश नहीं है। अमेरिका, अफगानिस्तान से अपने बचे हुए 2500-3500 सैनिकों को वापस बुला रहा है। इस तरह की अटकलें हैं कि अमेरिका आसपास एक स्थान चाहता है जहां से वह आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला कर सके। इसके बाद तालिबान का बयान आया है। सरकार और तालिबान के बीच रूकी हुई शांति वार्ता को भी शुरू कराने की कोशिशें की जा रही हैं जो शायद तुर्की में हो। पाकिस्तान और अरब मुल्क कतर, तालिबान पर तुर्की में बातचीत में शामिल होने के लिए दबाव डाल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रायोजित वार्ता पिछले महीने तुर्की में होनी थी लेकिन तालिबान ने इसमें हिस्सा लेने से मना कर दिया था।

पोप ने आशवित्ज यातना शिविर की जीवित बची महिला के हाथ को चूमा

वैटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस ने आशवित्ज स्थित हिटलर की हैवानियत के सबसे बड़े यातना शिविर की जीवित बचीं लिडिया माक्सीमोविज के हाथ पर बने टैटू को बुधवार को दर्शकों की मौजूदगी में चूमा। पोलैंड की नागरिक माक्सीमोविज उस समय मात्र तीन साल की थीं जब उन्हें उनके पैतृक स्थल बेलारूस से आशवित्ज ले जाया गया था। उन्होंने नाजियों द्वारा अपने हाथ पर गोदे गए नंबर को पोप को दिखाया तो वह झुके और उसे चूम लिया। माक्सीमोविज ने वैटिकन न्यूज को बताया कि पोप के साथ उनकी बातचीत नहीं हुई। उन्होंने कहा, हमने एक-दूसरे को नजरों से समझा। वह यातना शिविर के बाल क्षेत्र में तीन साल तक रही थीं।

हिंसा के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

पोर्टलैंड। अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या की घटना का एक साल पूरा होने पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए पोर्टलैंड में लोगों के दो समूह एकत्र हुए और इस दौरान हिंसा के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लोगों के एक समूह ने शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन किया जबकि एक अन्य समूह हिंसा पर उतर आया। भीड़ ने आग लगा दी, खिड़कियां तोड़ दीं और अधिकारियों पर चीजें फेंकीं। इसके बाद पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने एक बयान में बताया कि कुछ लोगों ने मुल्टनोमाह काउंटी जस्टिस सेंटर पर कचरे के डिब्बे (डंपस्टर) को फेंका और उसमें आग लगा दी। पुलिस ने इस कृत्य को गैरकानूनी ठहराया और आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को भेजा गया। बयान में कहा गया है कि भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने अधिकारियों पर जमे हुए पानी की बोतलें, कांच की बोतलें, अंडे आदि फेंके। मई 2020 में फ्लॉयड की मौत के बाद पिछले साल लोगों ने पोर्टलैंड में 100 दिनों से अधिक समय तक विरोध प्रदर्शन किया था। अमेरिका में पुलिस हिरासत में एक अश्वेत व्यक्ति की मौत से आक्रोशित लोगों ने नस्लीय अन्याय और पुलिस की बर्बरता के खिलाफ प्रदर्शन किये थे।

जार्ज फ्लायड का परिवार मिला बाइडन और हैरिस से, दिया सुधार पर जोर

वाशिंगटन। अमेरिका में अश्वेत जार्ज फ्लायड की बरसी पर उनके परिवार ने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ कुछ समय बिताया। फ्लायड के परिवार ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस सुधारों को लेकर कानून में संशोधन की उनकी मांग पर जल्द से जल्द अमल किया जाए। इस दौरान बाइडन ने कहा कि वे चाहते हैं कि आने वाला कानून सार्थक हो और नस्लभेद की घटनाओं को रोकने में कारगर हो सके। इस दौरान बाइडन ने फ्लायड की छोटी पुत्री जियाना के साथ खेलने का समय निकाला और उसके साथ आइसक्रीम भी खाई। कार्यक्रम में फ्लायड की बहन ब्रिजेट फ्लायड मिनियापोलिस से वाशिंगटन नहीं गईं। उनका कहना था कि वह तभी वहां जाएंगी, जब पुलिस सुधार का बिल लाकर उस पर प्रभावी कानून बने।

सीरिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान

दमिश्क। सीरिया में बुधवार को राष्ट्रपति चुनाव के लिए सरकारी क्षेत्रों में मतदान केंद्र खुल गए हैं, जिससे मौजूदा राष्ट्रपति बशर अल-असद को चौथा कार्यकाल मिलने की उम्मीद है। समाचार एजेंसी डीपीए ने बताया कि सीरियाई टेलीविजन ने मतदान केंद्रों पर लोगों की लंबी कतारें दिखीं, जो सुबह 7:00 बजे (स्थानीय समयानुसार) खुल गई थीं। सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो में एक महिला ने सीरियाई टेलीविजन से कहा, "हमें इस चुनाव में आने और भाग लेने पर गर्व है क्योंकि यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। ब्रॉडकास्टर ने लोगों को नाचते और सीरियाई झंडे लहराते हुए दिखाया और साथ ही दक्षिण-पश्चिमी सीरिया में दमिश्क और स्वीडा के विभिन्न क्षेत्रों में मतदान केंद्रों के सामने अल असद की तस्वीरें दिखाई दीं।

किम जोंग उन की बहन ने अधिकारी को गोलियों से भुनवाया

- किम जोंग उन की बेहद निरंकुश बहन किम यो जोंग ने देश में 'सफाई अभियान' शुरू किया
- किम यो जोंग के आदेश पर एक शीर्ष अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है
- किम यो के इस क्रूर आदेश से उत्तर कोरिया के अधिकारियों में खौफ का माहौल है

प्योंगयांग ■ एजेंसी

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बेहद निरंकुश बहन किम यो जोंग ने देश में 'सफाई अभियान' शुरू किया है और एक शीर्ष अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। किम यो जोंग के इस क्रूर आदेश से उत्तर कोरिया के अधिकारियों में खौफ का माहौल है। बताया जा रहा है कि किम यो जोंग ने सरकारी एजेंसियों में सफाई अभियान चलाने के लिए कई अधिकारियों को गोली मारने का आदेश दिया है। रेडियो फ्री एशिया ने अपनी रिपोर्ट में दो उत्तर कोरियाई अधिकारियों के हवाले से कहा, 'प्योंगयांग में एक शीर्ष अधिकारी को गोली मारने की खबर अधिकारियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। हम नहीं जानते हैं कि किस अधिकारी को मारा गया है। हालांकि हमें अपने शीर्ष अधिकारी से पता चला है कि आरोपी अधिकारी को किम यो जोंग के आधार पर गोली मारा गया है।'

10 सुरक्षा अधिकारियों को गोलियों से भून दिया गया

सूत्रों ने कहा कि पिछले साल नवंबर महीने में सोने की तस्करी के बारे में सेंट्रल पार्टी को बताया गया था। इसके बाद दिसंबर महीने में देश के बॉर्डर सिक्योरिटी कमांड के कुल 10 सुरक्षा अधिकारियों को गोलियों से भून दिया गया था। इसके अलावा नौ अन्य लोगों को आजीवन जेल की सजा दी गई थी। किम यो जोंग उन लोगों के आंकड़े इकट्ठा कर रही है जो यह बताता है कि लोग पार्टी की सत्ता को चुनौती दे रहे हैं। उत्तर कोरियाई सूत्रों ने बताया कि किम यो जोंग ने अपने भाई तानाशाह किम जोंग उन को इस बारे में बताया था। पार्टी के खिलाफ विद्रोह करने के लिए कई अधिकारियों को मौत के घाट उतार दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि किम यो जोंग के खिलाफ विरोध भी बहुत तेजी से बढ़ रहा है। सूत्रों ने यह भी कहा कि सेंट्रल पार्टी किम यो जोंग के आदेश पर रयांगगांग प्रांत के सभी अधिकारियों की समीक्षा कर रही है ताकि विद्रोहियों का पता लगाया जा सके। कई लोगों को राजनीतिक कैदियों के लिए बने शिविरों में डाल दिया गया है।

चक्रवात यास को लेकर झारखंड के संवेदनशील

एनडीआरएफ की टीम तैनात

चाईबासा ■ एजेंसी

हालांकि तबाही मचाने वाला तूफान यास बुधवार की रात झारखंड में प्रवेश करेगा। लेकिन झारखंड में सुबह से ही ओड़िशा के बालासोर एवं पश्चिमी बंगाल के दीघा में चक्रवाती तूफान यास के टकराने के साथ ही तूफान का असर झारखंड में दिखने लगा है। आज सुबह से ही ओड़िशा एवं पश्चिम बंगाल से सटे कोल्हान प्रमण्डल के तीनो जिला पूर्वी एवं पश्चिमी सिंहभूम तथा सरायकेला-खरसावां जिले में हवा के साथ बारिश हो रही है। कहीं-कहीं मध्यम दर्जे के बारिश तो कहीं-कहीं भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार गुरूवार की सुबह झारखंड के कोल्हान प्रमण्डल में तूफान प्रवेश करेगी। राहत की बात यह है कि जैसे - जैसे चक्रवाती तूफान झारखंड की ओर बढ़ रहा है, कमजोर होता जा रहा है। जिससे झारखंड में तूफान से नुकसान होने की संभावनाएं भी कम होती जा रही है।

संवेदनशील क्षेत्रो में एनडीआरएफ की टीम तैनात

चक्रवाती तूफान को लेकर कोल्हान प्रमण्डल के तीनो जिलो में लगातार हो रही बारिष के कारण नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। पहाड़ी क्षेत्रो में भारी बारिश होने की खबर आ रही है। जिससे अगले 12 घंटो में नदियों के जलस्तर में और वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। चक्रवाती तूफान के मद्देनजर प्रशासन द्वारा निचले क्षेत्रों में बसे लोगों के साथ-साथ कच्चे मकान में रह रहे लोगों को विद्यालय एवं अन्य पक्के मकानों में बनाए गए शेल्टर होम में रखा गया है तथा उनके खाने-पीने की व्यवस्था की गई है। तांतनगर, कुमारडुंगी, मनोहरपुर, जगन्नाथपुर आदि क्षेत्रों में एनडीआरएफ की टीमों को तैनात कर दिया गया है।

आंधी और पानी से सड़क मार्ग एवं बिजली आपूर्ति प्रभावित

लगातार हो रहे आंधी और पानी से सड़क मार्ग के साथ-साथ विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रो में बिजली आपूर्ति की स्थिति और खराब हो सकती है। अत्याधिक बारिष होने के कारण आज चाईबासा, जैंतगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग-75 पर एक विशाल पेड़ गिर जाने के कारण मार्ग अवरूद्ध हो गया है, वहीं सोनुवा-गोईलकेरा रोड में झाड़गांव के पास पुलिया के उपर से पानी बहने के कारण आवागमन ठप हो गया है। चक्रवाती तूफान को लेकर बुधवार को सभी दुकान-प्रतिष्ठान बंद रही। जिससे सड़को पर सन्नाटा पसरा रहा। जैसे-जैसे चक्रवाती तूफान यास झारखंड की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे तेज हवा के साथ बारिश भी तेज होती जा रही है।

गुजरात के 450 गांवों में अभी तक बहाल नहीं हुई बिजली आपूर्ति

गुजरात सरकार ने बुधवार को कहा कि राज्य में चक्रवाती तूफान ताउते के प्रकोप के एक हफ्ते से अधिक समय बाद भी करीब 450 गांव बिजली आपूर्ति बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं और यह काम चल रहा है। गिर-सोमनाथ जिले में 17 मई की रात को तूफान ताउते आया था और उसने 24 घंटे से अधिक समय तक गुजरात के अनेक हिस्सों को प्रभावित किया। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने बुधवार को गांधीनगर में संवाददाताओं से कहा कि जोरदार हवाओं से बिजली के खंभे गिर गये थे जिसकी वजह से 10,447 गांवों में बिजली चली गयी। उन्होंने कहा, छह दिन में सभी सड़कों को साफ कर लिया गया। अब एक भी गांव संपर्क से कटा नहीं है। कुल 10,447 गांवों में तूफान के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी थी जिनमें से करीब 9,900 गांवों में बिजली बहाल कर ली गयी है वहीं बाकी 450 गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए प्रयास जारी हैं।

यौन अपराध को पलट तो नहीं सकते, मुआवजा देकर मनो वैज्ञानिक सुरक्षा दे सकते हैं : दिल्ली हाईकोर्ट

नईदिल्ली ■ ब्यूरो

]दिल्ली हाईकोर्ट ने यौन शोषण के छह साल के पीड़ित को छह लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा देने का आदेश देते हुए कहा कि व्यवस्था इस अपराध को तो पलट नहीं सकती, लेकिन वह अपराधी को सजा देने के अलावा पीड़ित को वित्तीय मदद देकर मनोवैज्ञानिक सुरक्षा या सशक्तिकरण मुहैया करा सकती है।

हाईकोर्ट ने पीड़ित लड़के को 50,000 रुपये का अंतरिम मुआवजा देने के निचली अदालत के आदेश को रद्द करते हुए मुआवजा राशि छह लाख रुपये तक बढ़ा दी और कहा कि पहले का मुआवजा बहुत कम था। जस्टिस अनूप जयराम भम्भानी ने कहा कि पीड़ित को दिया जाने वाला मुआवजा बढ़ाते हुए अदालत की कोशिश उतनी वित्तीय भरपाई करने की तो होनी

चाहिए जितनी इस अपराध की क्षतिपूर्ति के लिए आवश्यक है। हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चा शारीरिक और मानसिक सदमे से गुजरा है और उसके मन को भावनात्मक चोट पहुंची है। हाईकोर्ट ने कहा कि चूंकि व्यवस्था घड़ी की सुइयों को पीछे नहीं ले जा सकती और ना ही अपराध को बदल सकती है तो अदालत अपराधी को सजा देने और पीड़ित को वित्तीय मुआवजा देकर मनोवैज्ञानिक सुरक्षा तथा सशक्तिकरण की भावना पैदा करने का काम तो कर ही सकती है।

यूपीः मंत्री के भाई ने हंगामे के बाद विवि में अपने पद से दिया इस्तीफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी के भाई अरुण द्विवेदी ने सिद्धार्थ नगर स्थित सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के पद से इस्तीफा दे दिया है। द्विवेदी ने बुधवार को व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया और कुलपति डॉ. सुरेंद्र दुबे ने कहा कि उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। इस्तीफे को इस मुद्दे पर हंगामे को शांत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि अरुण द्विवेदी की सिद्धार्थ यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति को लेकर विवाद छिड़ गया था। अरुण को ईडब्ल्यूएस यानी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कोटे से मनोविज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, साइकोलॉजी विषय के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर के दो पद थे। डॉ. हरेंद्र शर्मा को ओबीसी कोटे से, डॉ. अरुण कुमार द्विवेदी को ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य उम्मीदवार) श्रेणी में नियुक्त किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि कुलपति सुरेंद्र दुबे का कार्यकाल 21 मई को समाप्त हो रहा था, लेकिन सरकार ने एक दिन पहले 20 मई को उनका कार्यकाल नियमित कुलपति की नियुक्ति तक बढ़ा दिया है।

कुशीनगर में मासूम के प्रति सीएम योगी का दिखा प्यार

- बच्ची ने फूल देकर योगी का किया स्वागत

कुशीनगर ■ एजेंसी

कोरोना महामारी के बीच कुशीनगर जिले के दौरे पर पहुंचे सीएम का बच्चों के प्रति अलग अंदाज दिखा। बुधवार को जिले के सुखसवलिया गांव में पहुंचे सीएम का एक छह वर्षीय बेटी ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। जैसे ही सीएम दिखे बच्ची ने योगी को फूल देकर कहा, दादा...ये फूल और मूर्ति मैं आपके लिए लेकर आई हूं। बदले में सीएम ने भी बिटिया के सिर पर हाथ रखा और उससे कुछ सवाल कर जवाब भी लिए। इस दौरान परिजनों के लिखे खत को खुशबू ने सीएम योगी आदित्यनाथ के हाथों में पकड़ा दिया। सीएम ने खुशबू से पढ़ाई की जानकारी ली तो उसने बताया कि वह कक्षा दो की छात्रा है, लेकिन कोविड के चलते स्कूल बंद होने से उसकी पढ़ाई बाधित है। इस पर सीएम ने उसे दुलारते हुए संक्रमण काल में घर पर ही पढ़ाई करने पर जोर दिया। सुखसवलिया गांव निवासी हरेंद्र उपाध्याय की पत्नी कुसुम देवी

कोरोना संक्रमित हैं। जनपद में दौरे पर आये सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुसवलिया गांव में कोरोना पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे तो हरेंद्र उपाध्याय की छह वर्षीय बेटी खुशबू ने बड़े ही अलग अंदाज में सीएम को गुलदस्ता भेंट कर उनका गांव में स्वागत किया। भेंट में मिले गुलदस्ता को देख सीएम ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी और राधा-कृष्ण की प्रतिमा खुशबू को सौंपा। खुशबू के हाथ में एक कागज देखकर सीएमने पूछा कि यह क्या है।

अमेरिका को लेकर विदेश मंत्री कुरैशी ने क्या कहा

सुपर पावर से पाकिस्तान ने लिया पंगा?

नईदिल्ली ■ ब्यूरो

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने मंगलवार को सीनेट में कहा कि पाक भविष्य में अफगानिस्तान में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए अमेरिका को अपने सैन्य अड्डे नहीं देगा और पाकिस्तान के अंदर ड्रोन हमलों की भी अनुमति नहीं देगा। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री ने अमेरिका को पाकिस्तान में बेस उपलब्ध कराने की खबरों को भी निराधार बताते हुए खारिज कर दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि प्रधान मंत्री इमरान खान कभी भी अमेरिका को अपना बेस नहीं देंगे और न ही पाकिस्तान के अंदर ड्रोन हमलों की अनुमति देंगे। उन्होंने कहा, "मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि पाकिस्तान सुरक्षित हाथों में है।" कुरैशी का ये बयान तब आया है जब अमेरिकी विदेश मंत्रालय पेंटागन के एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान ने अमेरिकी सेना को अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति दी थी और जमीनी पहुंच दी थी ताकि वह अफगानिस्तान में अपनी उपस्थिति का समर्थन कर सके।

अमेरिका का पाक को झटका

इधर, आतंक को पालने वाले पाकिस्तान को अमेरिका ने एक बार फिर करारा झटका दिया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के हेडक्वार्टर पेंटागन की ओर से सोमवार को कहा गया कि पाकिस्तान को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता जो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने निलंबित कर दी थी वह अब भी निलंबित है। अमेरिका की ओर से यह बात ऐसे समय कही गई है जब हाल में रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा से बात की तथा अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने जिनेवा में अपने पाकिस्तानी समकक्ष से मुलाकात की है। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "पाकिस्तान को अमेरिका की ओर से दी जाने वाली सुरक्षा सहायता अब भी निलंबित है। आगे इसमें कोई बदलाव होगा या नहीं इस बारे में मैं अभी कुछ नहीं कहना चाहता। किर्बी से सवाल किया गया था कि इस विषय पर पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन की नीति की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने समीक्षा की है या नहीं? उनसे पूछा गया था कि क्या इसमें कोई परिवर्तन किया गया है या पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ इस मुद्दे पर चर्चा हुई है?

अफगानिस्तान के साथ बढ़ाएंगे शांति प्रक्रिया

पाकिस्तानी सीनेटरों की चिंता का जवाब देते हुए कुरैशी ने कहा कि हमें इस बात का डर है कि इस तरह की स्थिति अफगानिस्तान को फिर से 90 के दशक वाले हालातों में पहुंचा सकती है। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, कुरैशी ने तर्क दिया कि जैसा कि अमेरिका ने 11 सितंबर तक अफगानिस्तान से अपने शेष सैनिकों को वापस लेने की योजना बनाई है, पाकिस्तान उस देश में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए अपनी भूमिका निभाता रहेगा।

सहायता ➤ तो पाकिस्तान के बलूचिस्तान में अमेरिका बनाएगा एयरबेस

अमेरिका से फिर से 'खैरात' पाने पाक की नई डील

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

अमेरिका से मिलने वाली आर्थिक सहायता को फिर से शुरू करने के लिए पाकिस्तान सक्रिय हो गया है। यह वही देश है जो दो दिन पहले तक बलूचिस्तान में अमेरिकी एयरबेस बनाने को लेकर आंखे दिखा रहा था। इस बीच पाकिस्तान के नए-नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुईद यूसुफ अमेरिका के साथ संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव की मांग करते हुए अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवान से जेनेवा में मुलाकात की है।

अमेरिकी एनएसएस से मिले पाकिस्तानी समकक्ष

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस दौरान मुईद यूसुफ ने अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवान से कहा कि पाकिस्तान और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों को सुरक्षा और रक्षा पर नहीं बल्कि, अर्थव्यवस्था और व्यापार के आधार पर बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। पहली बार व्यक्तिगत तौर पर उच्च स्तरीय बैठक में पाकिस्तानी और अमेरिकी एनएसए ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक बातचीत की।

ट्रंप ने 2018 में रोकी थी पाकिस्तान को आर्थिक मदद

सूत्रों के हवाले से बताया कि जहां तक अमेरिका के साथ रिश्तों की बात है तो पाकिस्तान अपने रुख में महत्वपूर्ण बदलाव कर रहा है। हालांकि, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि अमेरिका पाकिस्तान को आर्थिक सहायता फिर से शुरू करेगा कि नहीं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी 2018 में यह कहते हुए पाकिस्तान के साथ सभी सुरक्षा सहयोग निलंबित कर दिए थे कि वह आतंकवाद के खिलाफ इस्लामाबाद के सहयोग और लड़ाई में उसकी भूमिका से संतुष्ट नहीं है।

तो पाकिस्तान के बलूचिस्तान में अमेरिका बनाएगा एयरबेस

दरअसल, अमेरिका की नजर पाकिस्तान के जरिए दक्षिण-पश्चिम एशियाई देशों में अपनी सेना की मौजूदगी बढ़ाना है। अमेरिका अफगानिस्तान से अपनी सेना की वापसी के साथ बलूचिस्तान में एक एयरबेस बनाकर यहां से नजर रखने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने बलूचिस्तान में अमेरिका की उपस्थिति और एयरबेस बनाने के दावे को खारिज किया है। एएफपी ने पेंटागन के अधिकारी डेविड एफ हॉलंदे के हवाले से बताया था कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर नजर रखने के लिए अपनी हवाई और जमीनी सीमाओं के उपयोग की अनुमति दे दी है।

बाइडन प्रशासन से पैसे निकलवाना चाहते हैं इमरान खान

यह पूरी कवायद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की पहल पर शुरू की गई है। उन्होंने कुछ महीने पहले राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के तहत अमेरिका के साथ संबंधो पर नयी रणनीति बनाने के लिए मार्च में एक शीर्ष समिति का गठन किया था। बहरहाल अभी यह स्पष्ट नहीं है कि बाइडन प्रशासन अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं और भारत के साथ करीबी संबंधों को देखते हुए इस रूपरेखा को मंजूर करता है या नहीं। साथ ही पाकिस्तान और चीन के बीच करीबी संबंध भी अमेरिका को पाकिस्तान के साथ सहयोग बढ़ाने से रोक सकता है।

मालवाहक जहाज में आग, श्रीलंकाई नौसेना ने चालक दल के 25 सदस्यों को बचाया

नईदिल्ली ■ ब्यूरो

श्रीलंकाई नौसेना ने पिछले सप्ताह कोलंबो तट के पास एक कंटेनर जहाज में आग लगने के बाद दो भारतीय समेत चालक दल के सभी 25 सदस्यों को मंगलवार को बचा लिया। आग बुझाने का काम अभी जारी है।

मीडिया की खबरों के मुताबिक बचाव अभियान के समय दोनों भारतीय गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल दोनों की पहचान नहीं हो पायी है। अधिकारियों ने बताया कि गुजरात में हजीरा से सौंदर्य प्रसाधनों के लिए रसायन और अन्य कच्चा माल कोलंबो बंदरगाह लेकर आए कंटेनर जहाज एमवी एक्स प्रेस पर्ल में 20 मई को तट से 9.5 समुद्री मील दूरी पर आग लग गयी। इसी जगह पर जहाज ने लंगर डाला था। नौसेना, बंदरगाह प्राधिकरण और समुद्री पर्यावरण सुरक्षा प्राधिकरण ने तुरंत आग बुझाने का काम शुरू कर दिया और माना जा रहा था कि आग पर काबू पा लिया गया।

जहाज के एक हिस्से में नाइट्रिक एसिड भंडारित होने के कारण मंगलवार सुबह आग से मंगलवार सुबह धमाका हुआ। आग पर काबू पाने के लिए श्रीलंकाई वायुसेना के बेल-212 हेलिकॉप्टर की सेवा ली गयी। जहाज के चालक दल के सभी 25 सदस्यों को बचा लिया गया। चालक दल में फिलिपीन, चीन, भारत और रूस के नागरिक थे। 'कोलंबो गजट अखबार के मुताबिक दोनों भारतीय गंभीर रूप से घायल हो गए। नौसेना ने कहा है कि आग पर काबू पाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। अभियान के दौरान आठ मालवाहक कंटेनर समुद्र में गिर गए।

न्यूज. ब्रीफ

पाकिस्तान में सेना की आलोचना करने वाले पत्रकार पर जानलेवा हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मे सेना और सशस्त्र बलो के काले कारनामो को सामने लाने वाले पत्रकार की घर मे घुसकर हत्या करने का प्रयास किया गया। हमलावर उसको मरणासन्न स्थिति में छोडकर चले गए। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग ने इस घटना की कड़ी आलोचना की है। पत्रकार जगत मे जबर्दस्त रोष है। पत्रकार असद अली तूर ने पिछले दिनों पाक की दुर्दशा को लेकर पाकिस्तान के निर्माण पर ही सवाल उटा दिया था। तूर की पहचान सरकारी एजेंसियो के अत्याचारों को उजागर करने वाले पत्रकार के रूप मे है। वह ब्लागर और यू ट्यूबर है। इससे पहले प्रशासन ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया था, बाद मे लाहौर हाई कोर्ट से उन्हें राहत मिली।

तालिबान ने अमेरिका को क्षेत्र में नया अड्डा बनाने के खिलाफ चेताया

इस्लामाबाद। तालिबान ने अफगानिस्तान से लौट रही अमेरिकी सेना को क्षेत्र मे सैन्य अड्डा बनाने के खिलाफ चेताया और पाकिस्तान ने अपनी सरजमी पर अमेरिका को अड्डा बनाने की इजाजत नहीं देने का संकल्प लिया है। पाकिस्तान ने यह भी कहा कि पाकिस्तानी क्षेत्र से ड्रोन से हमले करने की भी कोई गुजाइश नही है। अमेरिका, अफगानिस्तान से अपने बचे हुए 2500-3500 सैनिकों को वापस बुला रहा है। इस तरह की अटकले है कि अमेरिका आसपास एक स्थान चाहता है जहा से वह आतंकवादियो के ठिकानो पर हमला कर सके। इसके बाद तालिबान का बयान आया है। सरकार और तालिबान के बीच रूकी हुई शांति वार्ता को भी शुरू कराने की कोशिशे की जा रही है जो शायद तुर्की मे हो। पाकिस्तान और अरब मुल्क कतर, तालिबान पर तुर्की मे बातचीत मे शामिल होने के लिए दबाव डाल रहे है। संयुक्त राष्ट्र प्रायोजित वार्ता पिछले महीने तुर्की मे होनी थी लेकिन तालिबान ने इसमे हिस्सा लेने से मना कर दिया था।

पोप ने आशवित्ज यातना शिविर की जीवित बची महिला के हाथ को चूमा

वैटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस ने आशवित्ज स्थित हिटलर की हैवानियत के सबसे बडे यातना शिविर की जीवित बची लिडिया माक्सीमोविक्ज के हाथ पर बने टैटू को बुधवार को दर्शको की मौजूदगी मे चूमा। पोलैड की नागरिक माक्सीमोविक्ज उस समय मात्र तीन साल की थीं जब उन्हे उनके पैतृक स्थल बेलारूस से आशवित्ज ले जाया गया था। उन्होने नाजियो द्वारा अपने हाथ पर गोदे गए नंबर को पोप को दिखाया तो वह झुके और उसे चूम लिया। माक्सीमोविक्ज ने वैटिकन न्यूज को बताया कि पोप के साथ उनकी बातचीत नही हुई। उन्होंने कहा, हमने एक-दूसरे को नजरों से समझा। वह यातना शिविर के बाल क्षेत्र मे तीन साल तक रही थी।

हिंसा के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

पोर्टलैंड। अमेरिका मे जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या की घटना का एक साल पूरा होने पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए पोर्टलैंड में लोगो के दो समूह एकत्र हुए और इस दौरान हिंसा के आरोप मे पांच लोगो को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लोगो के एक समूह ने शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन किया जबकि एक अन्य समूह हिंसा पर उतर आया। भीड़ ने आग लगा दी, खिड़कियां तोड़ दी और अधिकारियो पर चीजे फेंकी। इसके बाद पांच लोगो को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने एक बयान मे बताया कि कुछ लोगो ने मुल्टनोमाह काउंटी जस्टिस सेंटर पर कचरे के डिब्बे (डपस्टर) को फेंका और उसमे आग लगा दी। पुलिस ने इस कृत्य को गैरकानूनी ठहराया और आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियो को भेजा गया। बयान मे कहा गया है कि भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने अधिकारियो पर जमे हुए पानी की बोतलें, कांच की बोतले, अडे आदि फेंके। मई 2020 मे फ्लॉयड की मौत के बाद पिछले साल लोगो ने पोर्टलैंड में 100 दिनो से अधिक समय तक विरोध प्रदर्शन किया था। अमेरिका मे पुलिस हिरासत में एक अश्वेत व्यक्ति की मौत से आक्रोशित लोगो ने नस्लीय अन्याय और पुलिस की बर्बरता के खिलाफ प्रदर्शन किये थे।

जार्ज फ्लायड का परिवार मिला बाइडन और हैरिस से, दिया सुधार पर जोर

वाशिंगटन। अमेरिका मे अश्वेत जार्ज फ्लायड की बरसी पर उनके परिवार ने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ कुछ समय बिताया। फ्लायड के परिवार ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस सुधारों को लेकर कानून मे संशोधन की उनकी मांग पर जल्द से जल्द अमल किया जाए। इस दौरान बाइडन ने कहा कि वे चाहते है कि आने वाला कानून सार्थक हो और नस्लभेद की घटनाओ को रोकने में कारगर हो सके। इस दौरान बाइडन ने फ्लायड की छोटी पुत्री जियाना के साथ खेलने का समय निकाला और उसके साथ आइसक्रीम भी खाई। कार्यक्रम मे फ्लायड की बहन ब्रिजेट फ्लायड मिनियापोलिस से वाशिंगटन नही गई। उनका कहना था कि वह तभी वहां जाएगी, जब पुलिस सुधार का बिल लाकर उस पर प्रभावी कानून बने।

सीरिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान

दमिश्क। सीरिया मे बुधवार को राष्ट्रपति चुनाव के लिए सरकारी क्षेत्रो मे मतदान केंद्र खुल गए हैं, जिससे मौजूदा राष्ट्रपति बशर अल-असद को चौथा कार्यकाल मिलने की उम्मीद है। समाचार एजेंसी डीपीए ने बताया कि सीरियाई टेलीविजन ने मतदान केंद्रो पर लोगो की लंबी कतारें दिखी, जो सुबह 7:00 बजे (स्थानीय समयानुसार) खुल गई थीं। सीरिया के दूसरे सबसे बडे शहर अलेप्पो मे एक महिला ने सीरियाई टेलीविजन से कहा, ''हमे इस चुनाव मे आने और भाग लेने पर गर्व है क्योंकि यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। ब्रॉडकास्टर ने लोगों को नाचते और सीरियाई झंडे लहराते हुए दिखाया और साथ ही दक्षिण-पश्चिमी सीरिया मे दमिश्क और स्वीडा के विभिन्न क्षेत्रो मे मतदान केंद्रो के सामने अल असद की तस्वीरें दिखाई दी।

किम जोंग उन की बहन ने अधिकारी को गोलियों से भुनवाया

- किम जोंग उन की बेहद निरंकुश बहन किम यो जोंग ने देश में 'सफाई अभियान' शुरू किया
- किम यो जोंग के आदेश पर एक शीर्ष अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है
- किम यो के इस क्रूर आदेश से उत्तर कोरिया के अधिकारियों में खौफ का माहौल है

प्योंगयांग ■ एजेंसी

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बेहद निरंकुश बहन किम यो जोंग ने देश में 'सफाई अभियान' शुरू किया है और एक शीर्ष अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। किम यो जोंग के इस क्रूर आदेश से उत्तर कोरिया के अधिकारियों में खौफ का माहौल है। बताया जा रहा है कि किम यो जोंग ने सरकारी एजेंसियों में सफाई अभियान चलाने के लिए कई अधिकारियों को गोली मारने का आदेश दिया है। रेडियो फ्री एशिया ने अपनी रिपोर्ट में दो उत्तर कोरियाई अधिकारियों के हवाले से कहा, 'प्योंगयांग में एक शीर्ष अधिकारी को गोली मारने की खबर अधिकारियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। हम नहीं जानते हैं कि किस अधिकारी को मारा गया है। हालांकि हमें अपने शीर्ष अधिकारी से पता चला है कि आरोपी अधिकारी को किम यो जोंग के आधार पर गोली मारा गया है।'

10 सुरक्षा अधिकारियों को गोलियों से भून दिया गया

सूत्रों ने कहा कि पिछले साल नवंबर महीने में सोने की तस्करी के बारे में सेंट्रल पार्टी को बताया गया था। इसके बाद दिसंबर महीने में देश के बॉर्डर सिक्योरिटी कमांड के कुल 10 सुरक्षा अधिकारियों को गोलियों से भून दिया गया था। इसके अलावा नौ अन्य लोगों को आजीवन जेल की सजा दी गई थी। किम यो जोंग उन लोगों के आंकड़े इकट्ठा कर रही है जो यह बताता है कि लोग पार्टी की सत्ता को चुनौती दे रहे हैं। उत्तर कोरियाई सूत्रों ने बताया कि किम यो जोंग ने अपने भाई तानाशाह किम जोंग उन को इस बारे में बताया था। पार्टी के खिलाफ विद्रोह करने के लिए कई अधिकारियों को मौत के घाट उतार दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि किम यो जोंग के खिलाफ विरोध भी बहुत तेजी से बढ़ रहा है। सूत्रों ने यह भी कहा कि सेंट्रल पार्टी किम यो जोंग के आदेश पर रयांगगांग प्रांत के सभी अधिकारियों की समीक्षा कर रही है ताकि विद्रोहियों का पता लगाया जा सके। कई लोगों को राजनीतिक कैदियों के लिए बने शिविरों में डाल दिया गया है।

| चक्रवात यास को लेकर झारखंड के संवेदनशील |

एनडीआरएफ की टीम तैनात

चाईबासा ■ एजेंसी

हालांकि तबाही मचाने वाला तूफान यास बुधवार की रात झारखंड में प्रवेश करेगा। लेकिन झारखंड में सुबह से ही ओड़िशा के बालासोर एवं पश्चिमी बंगाल के दीघा में चक्रवाती तूफान यास के टकराने के साथ ही तूफान का असर झारखंड में दिखने लगा है। आज सुबह से ही ओड़िशा एवं पश्चिम बंगाल से सटे कोल्हान प्रमण्डल के तीनो जिला पूर्वी एवं पश्चिमी सिंहभूम तथा सरायकेला-खरसावां जिले में हवा के साथ बारिश हो रही है। कहीं-कहीं मध्यम दर्जे के बारिश तो कहीं-कहीं भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार गुरूवार की सुबह झारखंड के कोल्हान प्रमण्डल में तूफान प्रवेश करेगी। राहत की बात यह है कि जैसे - जैसे चक्रवाती तूफान झारखंड की ओर बढ़ रहा है, कमजोर होता जा रहा है। जिससे झारखंड में तूफान से नुकसान होने की संभावनाएं भी कम होती जा रही है।

संवेदनशील क्षेत्रो में एनडीआरएफ की टीम तैनात

चक्रवाती तूफान को लेकर कोल्हान प्रमण्डल के तीनो जिलो में लगातार हो रही बारिष के कारण नदियों के जलस्तर मे लगातार वृद्धि हो रही है। पहाड़ी क्षेत्रो मे भारी बारिश होने की खबर आ रही है। जिससे अगले 12 घंटो मे नदियो के जलस्तर में और वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। चक्रवाती तूफान के मद्देनजर प्रशासन द्वारा निचले क्षेत्रों मे बसे लोगो के साथ-साथ कच्चे मकान मे रह रहे लोगो को विद्यालय एवं अन्य पक्के मकानों मे बनाए गए शेल्टर होम मे रखा गया है तथा उनके खाने-पीने की व्यवस्था की गई है। तांतनगर, कुमारडुंगी, मनोहरपुर, जगन्नाथपुर आदि क्षेत्रो में एनडीआरएफ की टीमो को तैनात कर दिया गया है।

आंधी और पानी से सड़क मार्ग एवं बिजली आपूर्ति प्रभावित

लगातार हो रहे आंधी और पानी से सड़क मार्ग के साथ-साथ विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रो मे बिजली आपूर्ति की स्थिति और खराब हो सकती है। अत्याधिक बारिष होने के कारण आज चाईबासा, जैतगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग-75 पर एक विशाल पेड़ गिर जाने के कारण मार्ग अवरूद्ध हो गया है, वही सोनुवा-गोईलकेरा रोड मे झाड़गांव के पास पुलिया के उपर से पानी बहने के कारण आवागमन ठप हो गया है। चक्रवाती तूफान को लेकर बुधवार को सभी दुकान-प्रतिष्ठान बंद रही। जिससे सड़को पर सन्नाटा पसरा रहा। जैसे-जैसे चक्रवाती तूफान यास झारखंड की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे तेज हवा के साथ बारिश भी तेज होती जा रही है।

गुजरात के 450 गांवों में अभी तक बहाल नहीं हुई बिजली आपूर्ति

गुजरात सरकार ने बुधवार को कहा कि राज्य में चक्रवाती तूफान ताउते के प्रकोप के एक हफ्ते से अधिक समय बाद भी करीब 450 गांव बिजली आपूर्ति बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं और यह काम चल रहा है। गिर-सोमनाथ जिले में 17 मई की रात को तूफान ताउते आया था और उसने 24 घंटे से अधिक समय तक गुजरात के अनेक हिस्सों को प्रभावित किया। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने बुधवार को गांधीनगर में संवाददाताओं से कहा कि जोरदार हवाओं से बिजली के खंभे गिर गये थे जिसकी वजह से 10,447 गांवों में बिजली चली गयी। उन्होंने कहा, छह दिन में सभी सड़कों को साफ कर लिया गया। अब एक भी गांव संपर्क से कटा नहीं है। कुल 10,447 गांवों में तूफान के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी थी जिनमें से करीब 9,900 गांवों में बिजली बहाल कर ली गयी है वहीं बाकी 450 गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए प्रयास जारी हैं।

यौन अपराध को पलट तो नहीं सकते, मुआवजा देकर मनो वैज्ञानिक सुरक्षा दे सकते हैं : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

]दिल्ली हाईकोर्ट ने यौन शोषण के छह साल के पीड़ित को छह लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा देने का आदेश देते हुए कहा कि व्यवस्था इस अपराध को तो पलट नहीं सकती, लेकिन वह अपराधी को सजा देने के अलावा पीड़ित को वित्तीय मदद देकर मनोवैज्ञानिक सुरक्षा या सशक्तिकरण मुहैया करा सकती है।

हाईकोर्ट ने पीड़ित लड़के को 50,000 रुपये का अंतरिम मुआवजा देने के निचली अदालत के आदेश को रद्द करते हुए मुआवजा राशि छह लाख रुपये तक बढ़ा दी और कहा कि पहले का मुआवजा बहुत कम था। जस्टिस अनूप जयराम भम्भानी ने कहा कि पीड़ित को दिया जाने वाला मुआवजा बढ़ाते हुए अदालत की कोशिश उतनी वित्तीय भरपाई करने की तो होनी चाहिए जितनी इस अपराध की क्षतिपूर्ति के लिए आवश्यक है। हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चा शारीरिक और मानसिक सदमे से गुजरा है और उसके मन को भावनात्मक चोट पहुंची है। हाईकोर्ट ने कहा कि चूंकि व्यवस्था घड़ी की सुइयों को पीछे नहीं ले जा सकती और ना ही अपराध को बदल सकती है तो अदालत अपराधी को सजा देने और पीड़ित को वित्तीय मुआवजा देकर मनोवैज्ञानिक सुरक्षा तथा सशक्तिकरण की भावना पैदा करने का काम तो कर ही सकती है।

यूपीः मंत्री के भाई ने हंगामे के बाद विवि में अपने पद से दिया इस्तीफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी के भाई अरुण द्विवेदी ने सिद्धार्थ नगर स्थित सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के पद से इस्तीफा दे दिया है। द्विवेदी ने बुधवार को व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया और कुलपति डॉ. सुरेंद्र दुबे ने कहा कि उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। इस्तीफे को इस मुद्दे पर हंगामे को शांत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि अरुण द्विवेदी की सिद्धार्थ यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति को लेकर विवाद छिड़ गया था। अरुण को ईडब्ल्यूएस यानी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कोटे से मनोविज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, साइकोलॉजी विषय के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर के दो पद थे। डॉ. हरेंद्र शर्मा को ओबीसी कोटे से, डॉ. अरुण कुमार द्विवेदी को ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य उम्मीदवार) श्रेणी में नियुक्त किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि कुलपति सुरेंद्र दुबे का कार्यकाल 21 मई को समाप्त हो रहा था, लेकिन सरकार ने एक दिन पहले 20 मई को उनका कार्यकाल नियमित कुलपति की नियुक्ति तक बढ़ा दिया है।

कुशीनगर में मासूम के प्रति सीएम योगी का दिखा प्यार

- बच्ची ने फूल देकर योगी का किया स्वागत

कुशीनगर ■ एजेंसी

कोरोना महामारी के बीच कुशीनगर जिले के दौरे पर पहुंचे सीएम का बच्चों के प्रति अलग अंदाज दिखा। बुधवार को जिले के सुखसवलिया गांव में पहुंचे सीएम का एक छह वर्षीय बेटी ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। जैसे ही सीएम दिखे बच्ची ने योगी को फूल देकर कहा, दादा...ये फूल और मूर्ति मैं आपके लिए लेकर आई हूं। बदले में सीएम ने भी बिटिया के सिर पर हाथ रखा और उससे कुछ सवाल कर जवाब भी लिए। इस दौरान परिजनों के लिखे खत को खुशबू ने सीएम योगी आदित्यनाथ के हाथों में पकड़ा दिया। सीएम ने खुशबू से पढ़ाई की जानकारी ली तो उसने बताया कि वह कक्षा दो की छात्रा है, लेकिन कोविड के चलते स्कूल बंद होने से उसकी पढ़ाई बाधित है। इस पर सीएम ने उसे दुलारते हुए संक्रमण काल में घर पर ही पढ़ाई करने पर जोर दिया। सुखसवलिया गांव निवासी हरेंद्र उपाध्याय की पत्नी कुसुम देवी कोरोना संक्रमित हैं। जनपद में दौरे पर आये सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुसवलिया गांव में कोरोना पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे तो हरेंद्र उपाध्याय की छह वर्षीय बेटी खुशबू ने बड़े ही अलग अंदाज में सीएम को गुलदस्ता भेंट कर उनका गांव में स्वागत किया। भेंट में मिले गुलदस्ता को देख सीएम ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी और राधा-कृष्ण की प्रतिमा खुशबू को सौंपा। खुशबू के हाथ में एक कागज देखकर सीएमने पूछा कि यह क्या है।

अमेरिका को लेकर विदेश मंत्री कुरैशी ने क्या कहा

सुपर पावर से पाकिस्तान ने लिया पंगा?

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने मंगलवार को सीनेट में कहा कि पाक भविष्य में अफगानिस्तान में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए अमेरिका को अपने सैन्य अड्डे नहीं देगा और पाकिस्तान के अंदर ड्रोन हमलों की भी अनुमति नहीं देगा। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री ने अमेरिका को पाकिस्तान में बेस उपलब्ध कराने की खबरों को भी निराधार बताते हुए खारिज कर दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि प्रधान मंत्री इमरान खान कभी भी अमेरिका को अपना बेस नहीं देंगे और न ही पाकिस्तान के अंदर ड्रोन हमलों की अनुमति देंगे। उन्होंने कहा, ''मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि पाकिस्तान सुरक्षित हाथों में है।'' कुरैशी का ये बयान तब आया है जब अमेरिकी विदेश मंत्रालय पेंटागन के एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान ने अमेरिकी सेना को अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति दी थी और जमीनी पहुंच दी थी ताकि वह अफगानिस्तान में अपनी उपस्थिति का समर्थन कर सके।

अमेरिका का पाक को झटका

इधर, आतंक को पालने वाले पाकिस्तान को अमेरिका ने एक बार फिर करारा झटका दिया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के हेडक्वार्टर पेंटागन की ओर से सोमवार को कहा गया कि पाकिस्तान को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता जो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने निलंबित कर दी थी वह अब भी निलंबित है। अमेरिका की ओर से यह बात ऐसे समय कही गई है जब हाल में रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा से बात की तथा अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने जिनेवा में अपने पाकिस्तानी समकक्ष से मुलाकात की है। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''पाकिस्तान को अमेरिका की ओर से दी जाने वाली सुरक्षा सहायता अब भी निलंबित है। आगे इसमें कोई बदलाव होगा या नहीं इस बारे में मैं अभी कुछ नहीं कहना चाहता। किर्बी से सवाल किया गया था कि इस विषय पर पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन की नीति की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने समीक्षा की है या नहीं? उनसे पूछा गया था कि क्या इसमें कोई परिवर्तन किया गया है या पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ इस मुद्दे पर चर्चा हुई है?

अफगानिस्तान के साथ बढ़ाएंगे शांति प्रक्रिया

पाकिस्तानी सीनेटरों की चिंता का जवाब देते हुए कुरैशी ने कहा कि हमें इस बात का डर है कि इस तरह की स्थिति अफगानिस्तान को फिर से 90 के दशक वाले हालातों में पहुंचा सकती है। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, कुरैशी ने तर्क दिया कि जैसा कि अमेरिका ने 11 सितंबर तक अफगानिस्तान से अपने शेष सैनिकों को वापस लेने की योजना बनाई है, पाकिस्तान उस देश में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए अपनी भूमिका निभाता रहेगा।

सहायता — तो पाकिस्तान के बलूचिस्तान में अमेरिका बनाएगा एयरबेस

अमेरिका से फिर से 'खैरात' पाने पाक की नई डील

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

अमेरिका से मिलने वाली आर्थिक सहायता को फिर से शुरू करने के लिए पाकिस्तान सक्रिय हो गया है। यह वही देश है जो दो दिन पहले तक बलूचिस्तान में अमेरिकी एयरबेस बनाने को लेकर आंखे दिखा रहा था। इस बीच पाकिस्तान के नए-नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुईद यूसुफ अमेरिका के साथ संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव की मांग करते हुए अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवान से जेनेवा में मुलाकात की है।

अमेरिकी एनएसएस से मिले पाकिस्तानी समकक्ष

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस दौरान मुईद यूसुफ ने अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवान से कहा कि पाकिस्तान और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों को सुरक्षा और रक्षा पर नहीं बल्कि, अर्थव्यवस्था और व्यापार के आधार पर बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। पहली बार व्यक्तिगत तौर पर उच्च स्तरीय बैठक में पाकिस्तानी और अमेरिकी एनएसए ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक बातचीत की।

ट्रंप ने 2018 में रोकी थी पाकिस्तान को आर्थिक मदद

सूत्रों के हवाले से बताया कि जहां तक अमेरिका के साथ रिश्तों की बात है तो पाकिस्तान अपने रुख में महत्वपूर्ण बदलाव कर रहा है। हालांकि, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि अमेरिका पाकिस्तान को आर्थिक सहायता फिर से शुरू करेगा कि नहीं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी 2018 में यह कहते हुए पाकिस्तान के साथ सभी सुरक्षा सहयोग निलंबित कर दिए थे कि वह आतंकवाद के खिलाफ इस्लामाबाद के सहयोग और लड़ाई में उसकी भूमिका से संतुष्ट नहीं है।

तो पाकिस्तान के बलूचिस्तान में अमेरिका बनाएगा एयरबेस

दरअसल, अमेरिका की नजर पाकिस्तान के जरिए दक्षिण-पश्चिम एशियाई देशों में अपनी सेना की मौजूदगी बढ़ाना है। अमेरिका अफगानिस्तान से अपनी सेना की वापसी के साथ बलूचिस्तान मे एक एयरबेस बनाकर यहां से नजर रखने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने बलूचिस्तान मे अमेरिका की उपस्थिति और एयरबेस बनाने के दावे को खारिज किया है। एएफपी ने पेंटागन के अधिकारी डेविड एफ हॉलवे के हवाले से बताया था कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर नजर रखने के लिए अपनी हवाई और जमीनी सीमाओं के उपयोग की अनुमति दे दी है।

बाइडन प्रशासन से पैसे निकलवाना चाहते हैं इमरान खान

यह पूरी कवायद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की पहल पर शुरू की गई है। उन्होंने कुछ महीने पहले राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के तहत अमेरिका के साथ संबंधो पर नयी रणनीति बनाने के लिए मार्च मे एक शीर्ष समिति का गठन किया था। बहरहाल अभी यह स्पष्ट नहीं है कि बाइडन प्रशासन अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओ और भारत के साथ करीबी संबंधों को देखते हुए इस रूपरेखा को मंजूर करता है या नहीं। साथ ही पाकिस्तान और चीन के बीच करीबी संबंध भी अमेरिका को पाकिस्तान के साथ सहयोग बढ़ाने से रोक सकता है।

मालवाहक जहाज में आग, श्रीलंकाई नौसेना ने चालक दल के 25 सदस्यों को बचाया

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

श्रीलंकाई नौसेना ने पिछले सप्ताह कोलंबो तट के पास एक कंटेनर जहाज में आग लगने के बाद दो भारतीय समेत चालक दल के सभी 25 सदस्यों को मंगलवार को बचा लिया। आग बुझाने का काम अभी जारी है।

मीडिया की खबरों के मुताबिक बचाव अभियान के समय दोनों भारतीय गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल दोनों की पहचान नहीं हो पायी है। अधिकारियों ने बताया कि गुजरात में हजीरा से सौंदर्य प्रसाधनों के लिए रसायन और अन्य कच्चा माल कोलंबो बंदरगाह लेकर आए कंटेनर जहाज एमवी एक्स प्रेस पर्ल में 20 मई को तट से 9.5 समुद्री मील दूरी पर आग लग गयी। इसी जगह पर जहाज ने लंगर डाला था। नौसेना, बंदरगाह प्राधिकरण और समुद्री पर्यावरण सुरक्षा प्राधिकरण ने तुरंत आग बुझाने का काम शुरू कर दिया और माना जा रहा था कि आग पर काबू पा लिया गया।

जहाज के एक हिस्से में नाइट्रिक एसिड भंडारित होने के कारण मंगलवार सुबह आग से मंगलवार सुबह धमाका हुआ। आग पर काबू पाने के लिए श्रीलंकाई वायुसेना के बेल-212 हेलिकॉप्टर की सेवा ली गयी। जहाज के चालक दल के सभी 25 सदस्यों को बचा लिया गया। चालक दल में फिलिपीन, चीन, भारत और रूस के नागरिक थे। 'कोलंबो गजट अखबार के मुताबिक दोनों भारतीय गंभीर रूप से घायल हो गए। नौसेना ने कहा है कि आग पर काबू पाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। अभियान के दौरान आठ मालवाहक कंटेनर समुद्र में गिर गए।

कोविड-19 से सभी को सुरक्षित रखते हुए

अनलॉक की प्रक्रिया का निर्धारण सुनिश्चित किया जाएगा : ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर

कोविड-19 से सभी को सुरक्षित रखते हुए अनलॉक की प्रक्रिया का निर्धारण सुनिश्चित किया जाएगा : ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, 1 जून से प्रस्तावित अनलॉक में सभी व्यापारिक गतिविधियों को खोलने का एमपीसीसीआई ने दिया सुझाव, जूम एप के माध्यम से ऊर्जा मंत्री एवं कोविड प्रभारी-श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, जिलाधीश-श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं विभिन्न व्यापारिक प्रतिनिधियों के साथ ऑनलाइन बैठक आयोजित

ग्वालियर। म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एमपीसीसीआई) द्वारा 1 जून से प्रस्तावित अनलॉक के लिए विभिन्न व्यापारिक प्रतिनिधिनियों से सुझाव आमंत्रित करने हेतु ऑनलाइन बैठक का आयोजन आज सायं 6 बजे जूम एप के माध्यम से किया गया। बैठक के प्रारंभ में एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल द्वारा उपस्थित सभी महानुभावों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि ग्वालियर में कोविड संक्रमण को नियंत्रित करने में ऊर्जा मंत्री एवं कोविड प्रभारी-श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, जिलाधीश -श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह व हमारो डॉक्टर्स ने जो भूमिका का निर्वाहन किया है, उसके मैं सभी को साधुवाद देता हूं। वैक्सीनेशन के चलते हम शीघ्र ही इस संक्रमण पर काबू पा लेंगे। संक्रमण काल में औद्योगिक गतिविधियों को चालू रखने से श्रमिकों के एक बहुत बड़े वर्ग को रोजी रोटी के संकट का सामना नहीं करना पड़ा। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि हम एक जून से अनलॉक की ओर बढेंगे। आपने सभी से अपील की कि हम अपने प्रतिष्ठानों को खोलने पर कोविड-19 के मानकों का कड़ाई से पालन करें और अनलॉक से पहले स्वयं को वह अपने स्टाफ को वैक्सीनेट अवश्य करा लें। आपने मंत्री महोदय से मांग की कि जून एवं जुलाई में शादियॉं है कई लोगों ने कोरोना के चलते अपनी शादियां इन माहों में करने हेतु स्थागित कर दी थीं इसलिए शादियों में कोविड प्रोटोकाल का पालन सुनिश्?चित करते हुए 50 से 100 लोगों क अनुमति दी जाये। जिलाधीश-श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि आज इस बैठक में अनलॉक के संबंध में जो भी सुझाव व्यापारिक वर्ग के प्रतिनिधियों से प्राप्त होंगे, उन्हें हम नोट करेंगे और आगामी क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में इन पर विचार किया जायेगा। बैठक का संचालन कर रहे मानसेवी सचिव-

डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि अनलॉक में सभी व्यापारिक गतिविधियों को खोलने की अनुमति दी जाना चाहिए, इनका समय अलग-2 निर्धारित किया जा सकता है ताकि बाजारों में भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। आपने कहा कि आज की बैठक में आये सुझावों को हम लिखित रूप से भी जिला प्रशासन को प्रेषित करेंगे। संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल ने कहा कि कोविड-19 के प्रोटोकाल का पालन करते हुए बाजार खोले जाना चाहिए तथा थोक व रिटेल के कारोबार का समय अलग-2 निर्धारित किया जाना चाहिए। उपाध्यक्ष-पारस जैन ने कहा कि कोविड-19 के मानकों का व्यापारी कड़ाई से पालन करते हुए अपने प्रतिष्ठानों को खोलें ताकि हम और हमारा परिवार सुरक्षित रहे। कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने कहा कि 45 दिन से व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद हैं, इसलिए सारे व्यापार को पूरे समय के लिए खोला जाना चाहिए इससे बाजारों में भीड़ को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

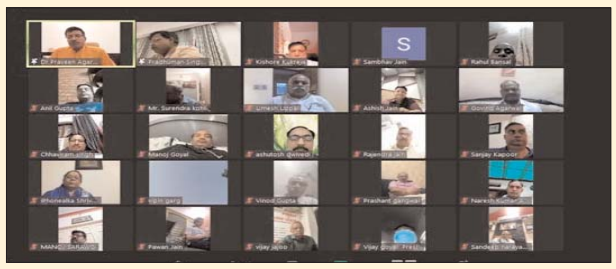

बैठक में सर्वश्री सुरेश बंसल, उमेश उप्पल,मनीष बांदिल, आशीष वैश्य, सुनील गर्ग, संजीव अग्रवाल कुक्कू, आशीष जैन, पवन जैन, अलका श्रीवास्तव, रवि प्रताप अग्रवाल, संदीप नारायण अग्रवाल, विपिन गर्ग, जवाहर जैन, दीपक श्रीचंद जैस्वानी, आशुतोष द्विवेदी, विजय जौहरी, विनोद गुप्ता, विजय जाजू, अभिषेक गोयल, अजीत गुप्ता, अमित बत्रा आदि ने सुझाव देते हुए कहा कि बाजारों में लोडिंग अनलोडिंग का समय निर्धारित किया जाये, विभिन्न बाजारों में स्थायी रूप से खड़े होने वाले वाहनों से जाम की स्थिति बनती है, इसलिए अनलॉक में यातायात व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये, जिन सामानों की होम डिलेवरी संभव है, उन्हें ज्यादा बढावा दिया जाये। 4 व्हीलर वाहनों का समय बाजार में आने समय निश्चित किया जाये। आवश्यक वस्तुओं के व्यापार को सुबह से दोपहर तक तथा अन्य वस्तुओं का व्यापार दोपहर से सायं तक खोले जायें। लॉक अथवा अनलॉक में गोदामों से माल की डिलेवरी को अनुमति दी जाना चाहिए। कोविड प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित कराने हेतु जिला प्रशासन द्वारा निगरानी की जाये। संस्थानों पर सैनिटाइजेशन जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित कराया जाये। ऊर्जा मंत्री एवं कोविड प्रभारी ग्वालियर श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि कोरोना नियंत्रण में आप सभी का जो सहयोग मिला है, उसके लिए मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं। आपने कहा कि संक्रमण काल में हमारे कई व्यापारी, उद्योगपति व सामाजिक विभूतियां हमारा साथ छोड़ गईं। इसलिए हम सुरक्षित रहेंगे तो हमारा व्यापार भी रहेगा। हर स्थिति में सरकार आपके साथ है। कोविड-19 से सभी को सुरक्षित रखते हुए बाजार को अनलॉक किया जाना की प्रक्रिया का निर्धारण हम सभी को सुनिश्चित करना चाहिए। आपने इस संक्रमण काल में चेम्बर द्वारा वैक्सीनेशन कार्य में प्रशासन का सहयोग करने के लिए आभार व्यक्त किया है। अंत में सभी का आभार मानसेवी सचिव डॉ. प्रवीण अग्रवाल द्वारा व्यक्त किया गया।

विरागोदय आहारशाला निःशुल्क कोरोना पीड़ित परिजनों को जैन शुद्ध भोजन पहुँच रहे है

पूरे कर्फ्यू में कोरोनी संक्रमण पीड़ित, जयारोग्य अस्पताल, कैंसर हॉस्पिटल, एवं बुजुर्गों को निःशुल्क शुद्ध सात्विक भोजन पहुँच रहे है।

ग्वालियर-कोरोना संक्रमण कर्फ्यू लॉक डाउन की दूसरी लहर जब से शुरू हुई है जब से जिनके परिवार के परिजनो कोरोना संक्रमित पीड़ित हो गए है उन परिजनों के घरों पर जैन शुद्ध भोजन की निःशुल्क व्यवस्था प्रतिदिन उरवाई गेट स्थित जैन सिद्धक्षेत्र त्रिशलगिरी मंदिर पर संचालित विरागोदय जैन आहारशाला के पदाधिकारीगण कर रहे है। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि प्रतिदिन कोरोना संक्रमण परिजनों के साथ अलग अलग जगहों पर सुबह और शाम को जयारोग्य अस्पताल परिसर, कैंसर हॉस्पिटल, एवं जिनके आगे पीछे बुजर्गों गणों के कोई नही उनको को भोजन पहुचने का कार्य कर टीम कर रही है। विरागोदय भोजनशाला कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार जैन, संयोजक रविन्द्र जैन व दीपक जैन ने बताया कि हम।पिछले दो वर्षो से सात्वित भोजन कोरोना संक्रमण पीड़ित मरीजों ओर बुजुर्ग जानो के निवासों पर टीम के द्वारा भोजन प्रतिदिन पहुँच रहे है। हमारे जहाँ जैन समाज के दम्पतियों के द्वारा भोजन तैयार किया जाता है।

भोजनशाला के संचालन टीम से आप सपर्क कर सकते है....विरागोदय भोजनशाला के अध्यक्ष राजकुमार जैन, संयोजक रविन्द्र जैन बाबा, महामंत्री दिनेश जैन, उपाध्यक्ष दीपक जैन, कोषाध्यक्ष जितेंद्र जैन, अरविंद मोदी, दीपक जैन, शैलेन्द्र जैन, मनीष जैन, मनोज टाईगर, राहुल जैन एवं त्रिशलगिरी के अध्यक्ष

विमल जैन सहित सहयोगी टीम संचालन करती है। इन नंबरों पर संपर्क करे रविन्द्र जैन 98262

जैन साधु ओर साध्वियों को भी आहारशाला भोजन करते है-जैन मुनिश्री साधु ओर आर्यिका माताश्री साध्वी 24 घण्टे में एक बार भोजन करते है। जब भी जैन त्रिशलगिरी तीर्थ पर पहुँचते है विरागोदय टीम के लोगा उनके लिए अलग से भोजन तैयार आहारचर्या करते है।

धुले हुए अनाज और छाने हुए पानी से बनता भोजन-जैन पध्दति में धुले हुए अनाज और शुद्ध मसालों का उपयोग किया जाता है। अनाज में गेहूं, दाल, चावल, आदि शामिल है। इन्हें लाकर साफ पानी से धोकर सूखा लिया जाता है। वही शुद्ध मसालों की साफसफाई कर डाले जाते है।

भोजन में जमीकंद का उपयोग नही होता-विरागोदय भोजन शाला में जैन समाज जमीकंद अर्थात जमीन के अंदर उगाने वाली सब्जियों का विशेष निषेध है। इसलिये भोजन में आलू, प्याज लहसून, गाजर, मूली, आदि जमीकंद शामिल नही करते है।

छात्र ओर नोकारी पेशा लोगा भी पहुँचते है भोजन करने-विरागोदय भोजनशाला में ग्वालियर में बाहर से आकर नोकारी कर रहे जैन समाज के लोगा ओर छात्रावासों में रहकर पढ़ाने वाले छात्र भी कभी संख्या में पहुँचकर भोजन कर रहे है।

जिले का सुनियोजित हैल्थ प्लान तैयार कर उस पर अमल किया जाए

ग्वालियर। कोविड-19 की महामारी से हमें सीख लेते हुए अपने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिये सुनियोजित प्लान तैयार कर उस पर तेजी से अमल करना होगा। जिले में ऑक्सीजन की कमी भविष्य में न हो इसके लिये ग्वालियर शहर के साथ-साथ डबरा, भितरवार और घाटीगांव में भी पर्याप्त व्यवस्थायें सुनिश्चित करना जरूरी है। क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह से स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर एडीएम श्री टी एन सिंह, एडीएम श्री रिंकेश वैश्य, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा एवं नर्स सुश्री अमृता डोंगरे उपस्थित थे। क्षेत्रीय सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ़ करने तथा ऑक्सीजन की उपलब्धता शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हो इसके लिये एक सुनियोजित प्लान तैयार किया जाए। तैयार किए गए प्लान के माध्यम से उस पर अमल भी समय-सीमा में हो, यह जरूरी है। श्री शेजवलकर ने यह भी आग्रह किया कि शासकीय प्रयासों के साथ-साथ निजी सहयोग से भी स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में प्रयास किए जाना चाहिए। सांसद श्री शेजवलकर ने कलेक्टर से कहा कि वर्तमान शासकीय अस्पतालों में और बेहतर उपचार के लिये भी जो व्यवस्थाएं की जाना हैं उसे तत्परता से किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध हों इसके लिये चिकित्सक के साथ-साथ नर्सिंग स्टाफ भी पदस्थ होना चाहिए। डबरा अस्पताल के निर्माण का कार्य भी तेज गति से हो यह सुनिश्चित किया जाए। डबरा में निर्मित होने वाले अस्पताल का पूरा कार्य 15 अगस्त 2022 तक कराया जाए ताकि डबरा के निवासियों को अस्पताल की सुविधायें उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही डबरा में भी ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना का कार्य भी तत्परता से किया जाए। 50 बैड ऑक्सीजनयुक्त शीघ्र तैयार हों इस पर भी हमें निरंतर मॉनीटरिंग करने की आवश्यकता है। सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि ग्वालियर के जेएएच अस्पताल में तीन ऑक्सीजन प्लांट, जिला अस्पताल में मुरार में ऑक्सीजन प्लांट, डबरा और भितरवार में ऑक्सीजन प्लांट तथा ऑक्सीजन लाईन बिछाने का कार्य भी तीव्र गति से कराया जाए। इसके साथ ही हजीरा अस्पताल के उन्नयन का कार्य भी तेजी के साथ पूरा कराया जाए। मुरार अस्पताल में सिटी स्कैन की सुविधा भी शीघ्र लोगों को मिल सके, इसके लिये तेजी से कार्य किया जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने चर्चा के दौरान सांसद श्री शेजवलकर को अवगत कराया कि भविष्य के लिये जिले का विस्तृत हैल्थ प्लान तैयार किया गया है। इस प्लान के तहत ऑक्सीजन प्लांटों की स्थापना के साथ-साथ आईसीयू निर्माण, ऑक्सीजन लाईन बिछाने की व्यवस्था और बच्चों के लिये विशेष वार्ड और अन्य आवश्यक उपकरणों को शामिल करते हुए शासन स्तर को भेजा गया है। शासन स्तर से स्वीकृति के पश्चात इन पर तेजी से कार्य प्रारंभ किया जायेगा। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने यह भी बताया कि शहरी क्षेत्र के साथ-साथ डबरा, भितरवार और घाटीगांव में भी 50 - 50 बैड के लिये ऑक्सीजन लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। जेएएच अस्पताल, मुरार में ऑक्सीजन प्लांटों की स्थापना का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि ऑक्सीजन प्लांटों के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए 2 हजार बैड की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही बच्चों के लिये पृथक से वार्ड तैयार कर सभी आवश्यक उपकरण का भी प्रबंध किया जा रहा है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने यह भी बताया कि उपकरणों के साथ-साथ चिकित्सकों और पैरामेडीकल स्टाफ की व्यवस्थाओं के लिये भी शासन स्तर से स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेजे गए हैं। कलेक्टर ने चर्चा के दौरान वर्तमान में कोविड संक्रमण की रोकथाम के लिये किए जा रहे प्रबंधनों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी। शासन द्वारा संचालित किल कोरोना-4 अभियान का संचालन किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में दल गठित कर सर्वेक्षण कर प्रभावित मरीजों का चिन्हांकन भी किया जा रहा है। सर्वेक्षण के दौरान जो लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं उनके उपचार की व्यवस्था भी की गई है।

गर्मी के दिनों में पेयजल की समस्या नहीं हो: मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की स्थिति की समीक्षा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसी भी नगरीय निकाय तथा पंचायत क्षेत्र में ग्रीष्म काल में पेयजल की समस्या नहीं आना चाहिए। जिन स्थानों पर जल-स्तर नीचे जाने के कारण हैण्ड पम्प नहीं चल रहे हैं, उन्हें चिन्हित कर वहाँ तत्काल बोरिंग की जाये। जिन नगरीय निकायों में पेयजल की समस्या है वहाँ आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की स्थिति की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी राज्य मंत्री श्री ब्रजेन्द्र सिंह यादव, बैठक में ऑनलाइन सम्मिलित हुए। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय एवं आवास तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास के अधिकारी मंत्रालय में सम्पन्न बैठक में उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन की सभी परियोजनाएँ शीघ्र पूर्ण हों-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिये कि जिन नगरीय निकायों में जल प्रदाय एक या एक से अधिक दिन के अंतराल से हो रहा है वहाँ जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर परियोजनाएँ क्रियान्वित की जायें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जल जीवन मिशन में बुरहानपुर और निवाड़ी में स्वीकृत परियोजनाओं की स्थिति की जानकारी ली और इन योजनाओं सहित मिशन में स्वीकृत सभी परियोजनाओं को

जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिये।

95 प्रतिशत से अधिक हैण्ड पम्प चालू- बैठक में बताया गया कि प्रदेश में स्थापित 5 लाख 54 हजार 25 हैण्ड पम्पों में से 95 प्रतिशत से अधिक हैण्ड पम्प चालू हैं। जल स्तर नीचे जाने के कारण 20 हजार 580 हैण्ड पम्पों में समस्या है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित 16 हजार 561 नल-जल योजनाओं में से 15 हजार 630 योजनाएँ संचालित हैं। अन्य स्थानों पर पेयजल के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। प्रदेश के 407 नगरीय निकायों में से 351 में प्रतिदिन और 56 में एक दिन छोड़कर जल प्रदाय किया जा रहा है। सभी जिलों में हैण्ड पम्प सुधार के लिए शिकायत निवारण प्रकोष्ठ बनाये गये हैं। समस्याग्रस्त नगरीय क्षेत्रों में जल प्रदाय के लिए तात्कालिक राहत के साथ दीर्घकालीन योजनाओं पर कार्य जारी है।

टीकाकरण के लिए नवीन निर्देश जारी

ग्वालियर। प्रदेश में शासकीय संस्थाओं में संचालित किये जा रहे 18 से 44 आयु संवर्ग के कोविड-19 टीकाकरण के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संचालक श्रीमती छवि भारद्वाज ने समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला टीकाकरण अधिकारी को नवीन दिशा निर्देश जारी किये हैं। **स्लॉट बुकिंग के बाद भी टीका लगाने नहीं पहुँचे तो ऑनसाईट होगा रजिस्ट्रेशन-**मिशन संचालक श्रीमती भारद्वाज द्वारा जारी परिपत्र में 18 से 44 आयु संवर्ग के कोविड-19 टीकाकरण के लिए प्रदेश के 4 महानगरों में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और 12 नगर निगम क्षेत्रों बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, सतना, रीवा, देवास, कटनी, खण्डवा, मुरैना, रतलाम, सागर, सिंगरौली एवं उज्जैन में 100 प्रतिशत टीकाकरण ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन के आधार पर किये जायेंगे। स्लॉट बुकिंग के बाद भी लाभार्थी टीका लगाने उपस्थित नहीं होते हैं ऐसी स्थिति में टीकाकरण केन्द्रों पर शेष वैक्सीन का उपयोग शाम 4 बजे के उपरांत ऑनसाईट बुकिंग के आधार पर किया जाए। इसकी संख्या 20 प्रतिशत से अधिक न हो। परिपत्र में निर्देश है कि शेष जिला मुख्यालयों पर 100 प्रतिशत ऑनलाईन बुकिंग के आधार पर टीकाकरण किया जाये। परिपत्र में यह भी निर्देश है कि जिला मुख्यालय पर एक से अधिक स्थलों पर टीकाकरण सत्र संचालित होने की स्थिति में कुछ सत्रों को सुविधानुसार टीकाकरण के लिए जिला टीकाकरण अधिकारी की अनुशंसा पर कलेक्टर द्वारा ऑनसाईट बुकिंग का निर्णय लिया जा सकता है। **ग्रामीण अँचलों में ऑनसाईट बुकिंग से लगेगी वैक्सीन-**परिपत्र में जिला मुख्यालयों को छोड़कर प्रदेश के शेष समस्त ग्रामीण अँचलों में कोविड-19 वैक्सीनेशन 100 प्रतिशत ऑनसाईट बुकिंग के माध्यम से किया जायेगा। ऑनसाईट सत्र स्थलों पर टोकन सिस्टम की व्यवस्था की जाये, जिससे पहले आने वाले व्यक्ति का पहले वैक्सीनेशन किया जा सके। शासकीय टीकाकरण केन्द्रों पर कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी के परिवार के सदस्यों एवं आश्रित सदस्यों का टीकाकरण उसी केन्द्र में किया जा सकता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक- भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478